ज्येष्ठ कृष्णा - 13 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 307 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 05-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अखिलेश की कमान में सपा की उम्र में चमत्कारिक वापसी

6 पर्यावरण के बड़े खतरों के लिए कोशिशें भी बड़ी हों

7 मंडी लोकसभा सीट जीतने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है : कंगना

फर्स्ट टेक

लगभग सभी एग्जिट पोल के अनुमान औंधे मुंह गिरे

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव में लगभग सभी एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) के अनुमान गलत साबित हुए और असल नतीजे इनके आकलन के विपरीत रहे। लगभग सभी एग्जिट पोल में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया था। 'रिपब्लिक टीवी-पी मार्क' के सर्वेक्षण में दावा किया गया था कि 543 सदस्यीय लोकसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन 359 सीट तक जीत हासिल करेगा और विपक्षी 'इंडि' गठबंधन को 154 सीट मिलेंगी। 'रिपब्लिक टीवी-मैट्रिज़' के एग्जिट पोल में राजग को 353-368 सीट और विपक्ष को 118-133 सीट मिलने का अनुमान जताया गया था।

हिमाचल विधानसभा उपचुनाव: छह में से चार सीट कांग्रेस ने जीतीं

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में छह विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस ने चार सीट पर जीत दर्ज की है। यह जानकारी निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में दी गई। इस तरह पार्टी छोड़कर हाल में भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस के चार बागियों को उपचुनाव में हार का मुंह देखना पड़ा। चार विधानसभा क्षेत्रों में जीत के साथ सदन में कांग्रेस विधायकों की संख्या 38 हो गई है। सदन की प्रभावी संख्या 65 है। परिणाम यह सुनिश्चित करता है कि राज्य में कांग्रेस सरकार को फिलहाल कोई तात्कालिक खतरा नहीं है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, कांग्रेस ने सुजानपुर, गगरेट, कुटलैहड़ और लाहौल एवं स्पीति विधानसभा सीट पर जीत हासिल की, जबकि भाजपा ने धर्मशाला और बड़सर से जीत हासिल की।

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर विचार करने से उच्चतम न्यायालय का इनकार

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने हालांकि कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन से जुड़े मामलों में क्रमशः अपनी अंतिम अभियोजन शिकायत और आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद सिसोदिया जमानत के लिए अपनी याचिकाएं फिर से दायर कर सकते हैं। अभियोजन शिकायत ईडी के आरोप पत्र के समान है।

राजग को लगातार तीसरी बार बहुमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लोकसभा चुनाव 2024

समूह	जीते	आगे	कुल
राजग	283	13	296
इंडिया	211	19	230
अन्य	16	1	17

कुल सीट : 543 बहुमत : 272

नई दिल्ली/वार्ता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है लेकिन कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के इंडिया समूह की कड़ी चुनौती और अप्रत्याशित प्रदर्शन के चलते भाजपा अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में विफल रही है।

लोकसभा चुनाव की मंगलवार को हुई मतगणना में राजग को 290 से अधिक सीटें मिलती दिख रही हैं जबकि इंडिया समूह 230 से अधिक सीट पर जीत दर्ज कर रहा है। मतगणना के परिणामों और रूझानों में भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी और कांग्रेस 99 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। वर्ष 2014 के चुनाव के बाद देश में एक बार फिर गठबंधन सरकार की राजनीति वापस लौट रही है जिसमें राजग के घटक दलों तेलुगु देशम पार्टी, जनता दल यू और शिव सेना की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे अपने पुराने गढों में तगड़ा झटका लगा है जबकि पार्टी ओड़िशा में ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए लोकसभा की अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज करने के साथ साथ राज्य विधानसभा में भी जीत के साथ पहली बार अपनी सरकार बनाने की स्थिति में पहुंच गयी है। पार्टी ने केरल में पहली बार एक सीट के साथ अपना खाता खोला है और नवगठित तेलंगाना में वह सत्तारूढ कांग्रेस को कांटे की टक्कर देते हुए बराबर की सीट जीतती नजर आ रही है। इंडिया समूह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को अप्रत्याशित झटका देते हुए उसे दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। राज्य में समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। पिछले चुनाव में राज्य की 80 में से 62 सीट जीतने वाली भाजपा इस बार 33 सीट पर सिमटती नजर आयी। कांग्रेस को राज्य में अपनी परंपरागत सीटों रायबरेली और अमेठी सहित छह सीट पर सफलता मिल रही है। राज्य में सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने वाली बहुजन समाज पार्टी का खाता खुलता नहीं दिख रहा।

लोकसभा चुनाव में राजग गठबंधन ने इस बार मोदी के करिश्मे के अलावा राम मंदिर, धारा 370 , बुनियादी ढांचा विकास और उच्च आर्थिक वृद्धि दर के साथ साथ विपक्षी दलों की तुष्टिकरण की राजनीति के मुद्दों पर चुनाव लड़ा जबकि इंडिया समूह ने 'संविधान को बचाने' , महंगाई, बेरोजगारी और जातिगत जनगणना को मुख्य मुद्दा बनाकर प्रचार किया था।

भाजपा ने इन चुनाव में अब की बार 400 पार का नारा देने के साथ ओड़िशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और तेलंगाना जैसे नये राज्यों में पैर पसारने की जी तोड़ कोशिश की। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने तमाम पूर्वानुमानों को गलत साबित करते हुए अपना किला बरकरार रखा और 42 में से 29 सीटों पर सफलता हासिल की। भाजपा राज्य में 2019 का प्रदर्शन दोहराने में असफल रही और वह केवल 12 सीटों पर सिमटती नजर आयी।

गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड भाजपा के भरोसे के राज्य बने हुए हैं और इनमें अधिकांश सीटों पर पार्टी का कब्जा बरकरार दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस ने केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) के अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर राज्य में सत्तारूढ वामपंथी लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) को फिर शिकस्त दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी वायनाड सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखने में कामयाब रहे।

- भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे अपने पुराने गढों में तगड़ा झटका लगा
- गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड भाजपा के भरोसे के राज्य बने हुए हैं और इनमें अधिकांश सीटों पर पार्टी का कब्जा बरकरार दिखाई दे रहा है।
- इंडिया समूह ने उत्तर प्रदेश में भाजपा को अप्रत्याशित झटका देते हुए उसे दूसरे स्थान पर धकेल दिया है। राज्य में समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है।

ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिला

पार्टी	भाजपा	बीजेडी	कांग्रेस	अन्य
जीत/आगे	78	51	14	4

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा की 147-सदस्यीय विधानसभा में 74 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है। भारत निर्वाचन आयोग ने इसकी जानकारी दी। आयोग के अनुसार, विधानसभा चुनाव में मतों की गिनती जारी है और भारतीय जनता पार्टी ने 74 सीट जीत ली हैं जबकि चार निर्वाचन क्षेत्रों में उनके उम्मीदवार बढ़त बनाये हुए हैं।

ओडिशा में वर्ष 2000 से सत्तारूढ़ बीजद को विधानसभा में इस बार 50 सीट मिली हैं और एक सीट पर उसका उम्मदवार आगे है। कांग्रेस को इस चुनाव में 14 सीट से संतोष करना पड़ा है।

आंध्र प्रदेश में सत्ता विरोधी लहर

राजग के पक्ष में मतदान से वाईएसआर कांग्रेस की शिकस्त

पार्टी	टीडीपी	वाईएसआरसीपी	भाजपा	अन्य
जीत/आगे	134	12	8	21

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश में विपक्षी दलों की एकजुटता के साथ सत्ता विरोधी लहर ने सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस को परास्त कर दिया और राज्य में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विजयी रहा।

आंध्र प्रदेश के मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से यह शानदार संदेश दिया कि वे चुनावों में मौजूदा वाईएसआर कांग्रेस सरकार को खारिज करके क्षणिक कल्याण पहल की जगह सतत विकास को प्राथमिकता देते हैं।

वाईएसआरसीपी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि जनता और पार्टी कैडर के बीच जुड़ाव नहीं था क्योंकि सरकार के कल्याण उपाय प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किए जाते हैं।

विकसित भारत के लिए सभी के साथ मिलकर काम करेंगे : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। लगातार तीसरी बार देश की बागडोर संभालने की तैयारी कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को संकल्प लिया कि वह 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए सभी राज्यों के साथ मिलकर काम करेंगे, भले ही वहां कोई भी पार्टी सत्ता में हो।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद अपने पहले भाषण में, मोदी ने तीसरे कार्यकाल के लिए अपना दृष्टिकोण रखते हुए कहा कि यह बड़े फैसलों का कार्यकाल होगा और मुख्य जोर भ्रष्टाचार को उखाड़ फेंकने पर होगा।

उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई दिन-ब-दिन कठिन होती जा रही है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए भ्रष्टाचार का बेशर्मी से महिमामंडन किया जा रहा है। हमारे तीसरे कार्यकाल में राजग सभी तरह के भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने पर बहुत ध्यान केंद्रित करेगा।

मोदी ने अपने भाषण में लोकसभा में भाजपा सदस्यों की कम हो रही संख्या का जिक्र नहीं किया, बल्कि विधानसभा चुनावों में और मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, ओडिशा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लोकसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत पर अपना ध्यान केंद्रित रखा।

राजग के साथ ही रहेगी तेदेपा

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव के परिणाम में भाजपा के बहुमत से पीछे रहने की संभावना के बीच तेलुगू देशम पार्टी (पार्टी) ने कहा है कि वह भगवा पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ ही रहेगी। साथ ही तेदेपा ने 'इंडि' गठबंधन के साथ जाने की अटकलें खारिज कर दीं।

शाम सात बजे तक के निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण तस्वीर उभर कर सामने आ रही है। पार्टी 89 सीट जीत चुकी है जबकि 150 से अधिक पर आगे है। ऐसे में पार्टी के 240 के आसपास सीट जीतने का अनुमान है, जो बहुमत के लिए आवश्यक 272 से काफी कम है।

सरकार गठन की कवायद पर कोई भी फैसला 'इंडि' गठबंधन के घटक मिलकर करेंगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव में साफ संदेश दिया है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को नहीं चाहती। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार घटन के लिए 'इंडि' गठबंधन की ओर से कवायद पर कोई भी फैसला इस विपक्षी गठबंधन के घटक दल मिलकर करेंगे।

राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि 'इंडि' गठबंधन की कल बैठक होगी, उसमें इस बारे में चर्चा होगी।'' उनका कहना था, ''यह चुनाव हमने भाजपा, हिंदुस्तान की संस्थाओं, शासन का ढांचा, सीबीआई, ईडी, आयकर और आधी न्यायपालिका के खिलाफ लड़ा। नरेन्द्र मोदी जी और अमित शाह जी ने संस्थाओं डराया और धमकाया।'' उन्होंने कहा कि लड़ाई संविधान को बचाने की थी और संविधान बचाने में गरीबों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अभी फैसला नहीं किया कि किस सीट का प्रतिनिधित्व करूंगा

केरल की वायनाड और उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव जीतने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अभी तक यह निर्णय नहीं लिया है कि वह लोकसभा में किस सीट का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह पूछे जाने पर कि वह लोकसभा में किस सीट का प्रतिनिधित्व करेंगे, गांधी ने कहा, ''मैंने दोनों सीट से जीत हासिल की है और मैं रायबरेली एवं वायनाड के मतदाताओं को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं।

05-06-2024 सूर्यास्त 6:44 बजे | 06-06-2024 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
72,079.05	21,884.50
(-4,389.73)	(-1,379.40)

सोना	चांदी
7,458 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,797 रु. प्रति किलो

हम राजग में हैं, राजग में ही रहेंगे : जद(यू)

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव की मतगणना के रुझानों के मद्देनजर नीतीश कुमार नीत जनता दल (यूनाइटेड) के अगले कदम को लेकर लगाई जा रही अटकलों के बीच, पार्टी के वरिष्ठ नेता के. सी. त्यागी ने मंगलवार को कहा कि वे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में हैं और ''हम राजग में ही रहेंगे।'' जद(यू) के 'इंडि' गठबंधन में लौट सकने की अटकलों पर त्यागी ने यहां पीटीआई-वीडियो से कहा, ''यह हमारा अंतिम निर्णय है।''

मतगणना के ताजा रुझानों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने वाली है लेकिन भाजपा के बहुमत हासिल करने की संभावना नहीं है। भाजपा को सरकार बनाने के लिए राजग के अपने सहयोगी दलों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी।

इस बीच, ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि जद(यू) वापस 'इंडि' गठबंधन में जा सकता है जिसने चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है।

हालांकि, त्यागी ने कहा कि इस तरह की अफवाहों पर विराम लगना चाहिए।

सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त

पायलट एवं सह पायलट सुरक्षित बाहर निकले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के नासिक जिले में मंगलवार को भारतीय वायु सेना का एक सुखोई लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया लेकिन पायलट एवं सह पायलट सुरक्षित बाहर निकल गये। पुलिस ने यह जानकारी दी।

नासिक रेंज के विशेष पुलिस महानिरीक्षक डी आर कराले ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पायलट और सह-पायलट को इलाज के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अस्पताल ले जाया गया।

आईपीएस अधिकारी ने बताया कि एसयू-30 एमकेआई शिरसागांव के समीप एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह लड़ाकू जेट विमान एक बजकर 20 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ तब उसे विंग कमांडर बोकिल उड़ा रहे थे और उनका साथ 'सेंकेंड इन कमांड' विश्वास दे रहे थे।

अधिकारियों के अनुसार दोनों पायलटों को मामूली रूप से चोटें आयीं और उनका एचएएल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

विमान के गिरने के बाद उसमें आग लग गयी जिसे बुझाया गया। विमान के हिस्से 500 मीटर के दायरे में बिखर गये। वायुसेना, एचएएल सुरक्षा एवं तकनीकी इकाई ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया है।

एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना की सटीक वजह का अभी पता नहीं चला है लेकिन प्राथमिक सूचना तकनीकी कारकों की ओर इशारा करती है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

साझी सत्ता

जोड़-तोड़ की नाव बना कर,
हम साझा पतवार चलाएं।
कुछ तुम अकड़ो कुछ हम अकड़ें,
मिल करके अधिकार चलाएं।
नये दौर की चाल समझ कर,
भारत की जयकार चलाएं।
जनमत का करके बँटवारा,
चलो नई सरकार चलाएं।।

राजग की जीत प्रधानमंत्री मोदी के लिए जनता का आशीर्वाद : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'जनता का आशीर्वाद' है जिन्होंने गत 10 साल में गरीबों, महिलाओं, पिछड़ों और युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत की। उन्होंने यह भी कहा कि यह मोदी के पिछले 23 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के 'मैराथन' प्रयास की जीत है, जिसमें उन्होंने एक भी दिन छुट्टी नहीं ली, खुद की परवाह नहीं की और केवल देश और देशवासियों के कल्याण के लिए दिन-रात काम किया। शाह ने कहा कि लगातार तीसरी जीत से यह स्पष्ट हो गया है कि जनता का भरोसा ''केवल मोदी पर है''। केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राजग को लगातार तीसरी बार सेवा का मौका देने के लिए देश की जनता को कोटि-कोटि नमन करता हूं। लगातार तीसरी जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता का विश्वास सिर्फ और सिर्फ मोदी जी के साथ है।'' उन्होंने कहा कि ''भाजपा को तीसरी बार मिली यह जीत हमारे कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। इस जीत के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी और देश के हर भू-भाग में मेहनत करने वाले सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं बधाई देता हूं।''

केरल में पहली बार खिला कमल

तिरुवनंतपुरम/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी ने 18वीं लोकसभा चुनाव में पहली बार केरल में कोई सफलता हासिल की है, जबकि कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) ने राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले वामपंथी लोकतांत्रिक गठबंधन पर काफी अंतर से बढ़त बनाये हुये हैं। भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी ने त्रिशूर लोकसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाकपा के वी.एस. सुनीलकुमार को 74686 मतों के अंतर से पराजित किया। श्री गोपी ने 412338 मत हासिल किये, जबकि श्री सुनीलकुमार को 337652 मत मिले।

लोकसभा चुनाव 2024 परिणाम

भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, विपक्ष नजर आ रहा है मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता पर जनमत संग्रह के रूप में प्रचारित किये गए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए हिंदी भाषी तीन राज्यों में उम्मीद के विपरीत रहे नतीजे और मंगलवार को जारी अब तक के परिणाम एवं रुझानों ने पार्टी को केंद्र में नयी सरकार के गठन को लेकर सहयोगियों पर निर्भर कर दिया है।

सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई और देर शाम तक भाजपा 240 सीट पर जीत या बढ़त बना कर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर रही है। हालांकि, यह आंकड़ा 543 सदस्यीय लोकसभा में उसके पिछली बार की संख्या (303 सीट) से काफी कम है जो केंद्र में गठबंधन की राजनीति की वापसी का संकेत है।

पार्टी के उम्मीदवारों ने मोदी के नेतृत्व में मौजूदा लोकसभा चुनाव लड़ा था।

भाजपा के मुख्य सहयोगी एन. चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और नीतीश कुमार की जद(यू) ने क्रमश: आंध्र प्रदेश एवं बिहार में 16 और 12 सीट पर बढ़त बना रखी है या जीत रही है। तेदेपा ने आंध्र प्रदेश में वाई एस जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को हरा कर विधानसभा चुनाव में भी शानदार जीत हासिल की है।

अपने सहयोगियों के समर्थन से भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 272 सीट के बहुमत के आंकड़े पर पहुंचने की ओर अग्रसर है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि लोकसभा चुनाव में ''लोकतंत्र और जनता की जीत हुई है।'' उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम यह कहते रहे हैं कि यह लड़ाई जनता और मोदी के बीच है...यह जनादेश मोदी के खिलाफ है। यह उनकी राजनीतिक एवं नैतिक हार है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। ख़ासकर, सत्ताधारी दल भाजपा ने एक व्यक्ति-एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था।''

संवाददाता सम्मेलन में, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी भी खरगे के साथ थीं।

राजग यदि फिर से सत्ता में आता है और मोदी प्रधानमंत्री बनते हैं तो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में वह जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। लेकिन यह पहली बार होगा, जब मोदी (73) राजनीति में आने के बाद से, सरकार में अपने सहयोगियों पर निर्भर होंगे। भाजपा को इस चुनाव में उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका लगा है, जहां समाजवादी पार्टी (सपा) ने उसे पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान और हरियाणा में भी पार्टी (भाजपा का) उम्मीद के विपरीत प्रदर्शन रहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा चुनाव में राजग के बहुमत हासिल करने को भारत के इतिहास में 'एक अभूतपूर्व पल' करार दिया और देशवासियों को विश्वास दिलाया कि वह उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ऊर्जा, नई उमंग, नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ेंगे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''देश की जनता-जनार्दन ने एनडीए (राजग) पर लगातार तीसरी बार अपना विश्वास जताया है। भारत के इतिहास में ये एक अभूतपूर्व पल है। मैं इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए अपने परिवारजनों को नमन करता हूं।''

लोकसभा चुनाव ने राहुल गांधी के नेतृत्व में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पुनरुत्थान और उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। अब तक के रुझानों और नतीजों में भाजपा नीत राजग को वह शानदार जीत नहीं मिली सकी है, जिसकी उसे उम्मीद थी और जैसा कि 'एग्जिट पोल' में अनुमान लगाया गया था। दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया (चुनाव) में 64 करोड़ से अधिक मतों की गिनती हो रही है।

विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा कांग्रेस 2019 में जीती गई 52 सीट की तुलना में 99 सीट पर आगे है या जीत रही है, जिससे राजस्थान और हरियाणा में भाजपा की सीटों में सेंध लग गई है। विपक्षी गठबंधन ने 200 से ज़्यादा सीट जीती हैं या उनपर आगे है।

उत्तर प्रदेश में सपा प्रमुख ने 'इंडिया' का मनोबल बढ़ाया है, वहीं विपक्षी गठबंधन की एक अन्य प्रमुख सहयोगी तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में 29 सीट पर आगे है या जीत की ओर अग्रसर है, जो 2019 में उसकी 22 सीट के आंकड़े से अधिक है। भाजपा ने राज्य में पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीट जीती थीं, लेकिन इस बार वह 12 सीट पर ही बढ़त बनाए हुए है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा 33 सीट पर जीत गई है या आगे है जबकि 2019 में उसकी सीट संख्या 62 थी। इस बार, सपा की सीट संख्या में इजाफा हुआ है। राज्य में लोकसभा की कुल 80 सीट में सपा 37 पर जीत रही है या आगे है।

मोदी ने वाराणसी सीट तो बरकरार रखी, लेकिन जीत का अंतर घट कर 1.53 लाख वोट रह गया। 2019 में यह अंतर 4,79,505 मतों का था। राहुल गांधी ने वायनाड (केरल) और रायबरेली (उत्तर प्रदेश) सीट पर क्रमश: 3,64,422 और 3,90,030 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की।

देश में, 19 अप्रैल से एक जून तक सात चरणों में लोकसभा चुनाव हुए।

नतीजों ने भाजपा के उस दावे को कुछ हद तक सही साबित किया कि इस बार दक्षिणी राज्यों में उसे बड़ी सफलता मिलेगी। हालांकि, तमिलनाडु में वह खाता भी नहीं खोल पाई और कर्नाटक में उसे अपनी सीटें गंवानी पड़ी।

भाजपा ने केरल में अपनी स्थिति मजबूत की है, जहां उसने पहली बार एक सीट जीती है, जबकि उस राज्य में कांग्रेस और वाम दल प्रमुख राजनीतिक ताकत हैं। इसके अलावा, तेलंगाना में भी उसने 8 सीट जीती है या उन पर आगे है। आंध्र प्रदेश में भाजपा की सहयोगी तेलुगू देशम पार्टी 16 सीट पर जीत चुकी है या आगे है तथा भाजपा तीन सीट पर आगे है या जीत रही है।

विपक्ष से कड़ी चुनौती का सामना कर रही भाजपा को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश में लगा। इसके अलावा, राजस्थान और हरियाणा में भी भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा। पश्चिम बंगाल में भी पार्टी की सीट संख्या घटी है लेकिन उसने इस नुकसान की भरपाई ओडिशा में कर ली। मध्य प्रदेश में भाजपा ने सभी 29 सीट पर जीत दर्ज की या आगे है। गुजरात में भी भाजपा 26 में से 25 सीट पर जीत रही है या आगे है। अन्य राज्यों में स्थिति इतनी निर्णायक नहीं है।

बिहार में भाजपा 12 सीट पर आगे है और उसकी सहयोगी जद(यू) 12 सीट पर आगे है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) चार सीट जीतने की ओर अग्रसर है।

हरियाणा में भी भाजपा को झटका लगा है, जहां पार्टी सिर्फ पांच सीट पर जीत की ओर अग्रसर है जबकि कांग्रेस भी पांच सीट पर आगे है। 2019 में भाजपा ने सभी 10 सीट जीती थी।

दलित नेता वीरेंद्र कुमार ने लगातार आठवीं बार जीत दर्ज की

केंद्रीय मंत्री एवं दलित नेता वीरेंद्र कुमार ने मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ लोकसभा सीट से लगातार आठवीं बार जीत दर्ज की है, जबकि पंकज चौधरी सातवीं बार जीत दर्ज करने की ओर अग्रसर हैं। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) चेहरा चौधरी शाम 6 बजे तक की स्थिति के अनुसार उत्तर प्रदेश के महाराजगंज से 36,000 से अधिक मतों के अंतर से आगे थे।

मेनका गांधी सुल्तानपुर में सपा के रामभुआल से 43 हजार मतों से हारीं

समाजवादी पार्टी के रामभुआल निषाद ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार मेनका गांधी को 43 हजार से अधिक मतों से पराजित कर दिया। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के अनुसार सपा उम्मीदवार निषाद को चार लाख 44 हजार 330 वोट मिले, जबकि भाजपा की गांधी को 4,01,156 मत मिले।

केंद्रीय मंत्री राणे ने रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग सीट पर शिवसेना (यूबीटी) को दी शिकस्त

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा सीट पर उद्धव ठाकरे नीत शिवसेना के प्रत्याशी को शिकस्त देकर प्रतिष्ठा की लड़ाई में जीत हासिल की। राणे ने लोकसभा का अपना पहला चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और दो बार के सांसद विनायक राउत को 47,858 मतों के अंतर से हराया। उद्धव नीत शिवसेना के पूर्व नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री राणे को 4,48,514 मत मिले, जबकि राउत को 4,00,656 मतों से संतोष करना पड़ा।

बठिंडा से शिअद की हरसिमरत ने आप के गुरमीत सिंह खुड्डियां को हराया

पंजाब की बठिंडा लोकसभा सीट से शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की उम्मीदवार हरसिमरत कौर बादल ने आम आदमी पार्टी (आप) के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी गुरमीत सिंह खुड्डियां को शिकस्त दी। निर्वाचन आयोग ने यह घोषणा की। आयोग की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, तीन बार की सांसद रहीं हरसिमरत ने खुड्डियां को 49,656 मतों के अंतर से हराया। हरसिमरत को 3.76 लाख मत मिले, जबकि खुड्डियां को 3.26 लाख वोट मिले।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और स्मृति ईरानी की हार

लोकसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और स्मृति ईरानी को हार का सामना करना पड़ा है। 2019 के लोस चुनाव में राहुल गांधी को हराकर अमेठी सीट जीतने वाली ईरानी को इस बार कांग्रेस उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा से एक लाख 67 हजार 196 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। केरल की तिरुवनंतपुरम लोस सीट पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर कांग्रेस के शशि थरूर से 16,077 से अधिक मतों के अंतर से चुनाव से हार गए।

मेरठ से भाजपा के अरुण गोविल जीते

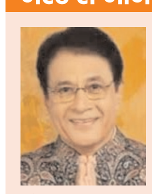

मेरठ लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार अरुण गोविल ने सपा प्रत्याशी सुनीता वर्मा को 10 हजार से अधिक मतों के अंतर से हरा दिया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार भाजपा उम्मीदवार गोविल को 546469 मत मिले जबकि सपा उम्मीदवार सुनीता वर्मा को 5,35,884 मत मिले।

जनता प्रधानमंत्री मोदी व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को साथ देखना चाहती : तिवारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अहम घटक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक साथ देखना चाहती है।

उत्तर पूर्व दिल्ली से चुनाव लड़ रहे तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''नीतीश कुमार राजग के अहम सहयोगी हैं और देश की जनता ने कहा है कि वे मोदी और नीतीश कुमार को साथ देखना चाहते हैं। मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार बनाएगी और इसमें नीतीश कुमार की बड़ी भूमिका है।'' उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को भी धन्यवाद ज्ञापित किया। तिवारी ने कहा, '' बहुत अच्छा लग रहा है कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा दिखाया है और मेरे इलाके के लोगों ने मुझे काफी भरोसा दिया, खास तौर पर उस स्थिति में जब मुझ पर उम्मीदवार ने निशाना साधा और जब आप नेता तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कह रहे थे कि 'रिंकिया के पापा' को हराने की जरूरत है, तो वो कह रहे थे कि एक बेटी के पिता को हराना है। ये सारी बातें मेरे दिमाग में हैं, लेकिन मेरा चरित्र अलग है।''

उन्होंने कहा, ''मैं स्तरहीन बातें नहीं करता। मैं अपने जीवन में बहुत संयत रहना चाहता हूं और हो सकता है कि जो भी निर्णय आए, उसका प्रतिफल भी यही हो। मैं इसी चरित्र के साथ अपने क्षेत्र के लोगों की सेवा करूंगा।''

तिवारी ने कहा कि उन्होंने राजग के लिए 400 और भाजपा के लिए 370 सीट मांगी थी। उन्होंने कहा, ''यह सच है कि हमें 400 पार नहीं मिल रहा है, लेकिन राजग को स्पष्ट बहुमत मिला है।''

उत्तर पूर्वी दिल्ली से तीसरी बार निर्वाचित होने का प्रयास कर रहे तिवारी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार से एक लाख 37 हजार 66 अधिक मतों के अंतर से आगे हैं।

भाजपा के मत प्रतिशत में आई गिरावट, 2019 के मुकाबले कांग्रेस और सपा को अधिक मत मिले

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव में इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मत प्रतिशत में गिरावट आई है जबकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में अधिक वोट हासिल किए हैं। निर्वाचन आयोग की ओर से मंगलवार के जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है। भाजपा ने 2019 की तुलना में इस बार अधिक सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन इसके बावजूद वह 272 के जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच पाई। उसे कुल मतदान का 36.91 प्रतिशत मत मिला जो पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले लगभग 0.39 प्रतिशत कम है।

दूसरी ओर, कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2.22 प्रतिशत अंक बढ़कर 21.68 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह उसकी सीट तालिका में भी परिलक्षित हुआ। पार्टी 99 सीटें जीतने की ओर अग्रसर है। राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल के प्रदर्शन में काफी सुधार देखने को मिला है। उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी ने अपना वोट प्रतिशत लगभग दोगुना कर 4.66 प्रतिशत कर लिया। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का वोट प्रतिशत 2019 के चुनावों में 4.06 प्रतिशत से बढ़कर इस बार 4.25 प्रतिशत हो गया। दूसरी ओर, मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) का वोट प्रतिशत 1.55 प्रतिशत घटकर 2.07 प्रतिशत रह गया। दक्षिणी राज्य के दलों के बीच, द्रमुक का वोट प्रतिशत 2019 में 2.34 प्रतिशत से घटकर 1.62 प्रतिशत हो गया। आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी का वोट प्रतिशत भी 2019 के 2.53 फीसदी के मुकाबले घटकर 2.08 फीसदी रह गया।

किरेन रीजीजू, तापिर गाओ ने अरुणाचल प्रदेश लोकसभा सीट जीतीं

भाजपा नेताओं किरेन रीजीजू और तापिर गाओ ने अरुणाचल प्रदेश की दो लोकसभा सीट पर जीत हासिल कर ली। केंद्रीय मंत्री रीजीजू और भाजपा उम्मीदवार गाओ ने जीत हासिल कर सीट बरकरार रखी। आयोग ने बताया कि रीजीजू ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस उम्मीदवार नबाम तुकी को 1,00,738 मत के अंतर से हरा अरुणाचल पश्चिम लोस सीट पर जीत हासिल की। भाजपा उम्मीदवार को 2,05,417 वोट मिले, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री तुकी को 1,04,679 वोट मिले। अरुणाचल पूर्व सीट पर भाजपा के मौजूदा सांसद गाओ ने प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस उम्मीदवार बोसीराम सिरम से 30,421 मत के अंतर से हराया। गाओ को 1,45,581 वोट मिले जबकि सिरम को 1,15,160 वोट मिले।

पंकज चौधरी ने महराजगंज में सातवीं बार चुनाव जीता

उप्र के महराजगंज संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के वीरेंद्र चौधरी को 35,451 मतों के अंतर से पराजित कर चुनाव जीत गये हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार भाजपा के पंकज चौधरी को महराजगंज में 5,91,310 मत मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी वीरेंद्र चौधरी को 5,55,859 मत मिले। बसपा के मौसम आलम 32,955 मत हासिल कर सके।

भाजपा के श्रीपद नाइक ने उत्तरी गोवा सीट, कांग्रेस उम्मीदवार फर्नांडीस ने दक्षिणी गोवा सीट जीती

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक ने उत्तरी गोवा लोकसभा क्षेत्र से लगातार छठी बार जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस नेता विरियातो फर्नांडीस ने दक्षिण गोवा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को हराया। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, नाइक ने 1,13,621 मत के अंतर से सीट जीती। उन्हें 2,53,812 वोट मिले और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं कांग्रेस उम्मीदवार रमाकांत खलप को 1,40,191 वोट मिले। उत्तरी गोवा से रिवोल्यूशनरी गोवन्स पार्टी (आरजीपी) के उम्मीदवार तुकाराम परब को 45,460 वोट मिले। दक्षिण गोवा सीट पर कांटे की टक्कर रही, जिसमें कांग्रेस उम्मीदवार फर्नांडीस ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी और भाजपा नेता पल्लवी धेंपो को 14,216 मत के अंतर से हराया। नौसेना अधिकारी से नेता बने फर्नांडीस को 2,16,022 वोट मिले, जबकि धेंपो को 2,01,806 वोट मिले। आरजीपी उम्मीदवार रुबर्ट पेरेरा को दक्षिण गोवा सीट से 18,718 वोट मिले।

तृणमूल उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा, कीर्ति आजाद ने जीत हासिल की

अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। तृणमूल कांग्रेस के नेता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एस एस अहलूवालिया को 59,564 मतों के अंतर से हराया। सिन्हा को 6,05,645 वोट मिले, जबकि अहलूवालिया को 5,46,081 वोट मिले। क्रिकेटर से नेता बने कीर्ति आजाद ने बर्धमान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के दिलीप घोष को 1,37,981 मतों से हराया। तृणमूल उम्मीदवार आजाद को 7,20,667 वोट मिले, जबकि भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष घोष को 5,82,686 वोट मिले।

प्रधानमंत्री की राजनीतिक और नैतिक हार हुई, जनादेश उनके खिलाफ : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ है तथा यह उनकी राजनीतिक एवं नैतिक हार हुई है।

खरगे ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि इस चुनाव में लोकतंत्र और जनता की जीत हुई है।

खरगे का कहना था, ''अठारहवीं लोकसभा के चुनाव में हम विनम्रता से जनमत को स्वीकार करते हैं। ये जनता की जीत है। ये लोकतंत्र की जीत है। इस बार जनता ने किसी एक दल को पूर्ण बहुमत नहीं दिया। ख़ासकर, सत्ताधारी दल भाजपा ने एक व्यक्ति-एक चेहरे के नाम पर वोट मांगा था।''

उन्होंने कहा, ''अब यह स्पष्ट हो गया है कि यह मोदीजी के ख़िलाफ़ है। यह उनकी राजनैतिक और नैतिक हार है।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''आप जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी और हमारे 'इंडिया' गठबंधन ने बहुत प्रतिकूल माहौल में चुनाव लड़ा। सरकारी मशनरी ने कदम-कदम पर अवरोध डाला। बैंक खाते सीज करने से लेकर तमाम नेताओं के खिलाफ अभियान चला।''

उन्होंने कहा, ''फिर भी शुरू से आखिर तक कांग्रेस पार्टी का अभियान सकारात्मक था। हमने महंगाई, बेरोज़गारी, किसानों और मजदूरों की बदहाली, संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग जैसे विषयों को केंद्रीय मुद्दा बनाया। इन मुद्दों पर बड़ी संख्या में लोग हमसे जुड़े, हमारा समर्थन किया। प्रधानमंत्री जी ने जिस तरह का चुनाव प्रचार किया, वो इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा।''

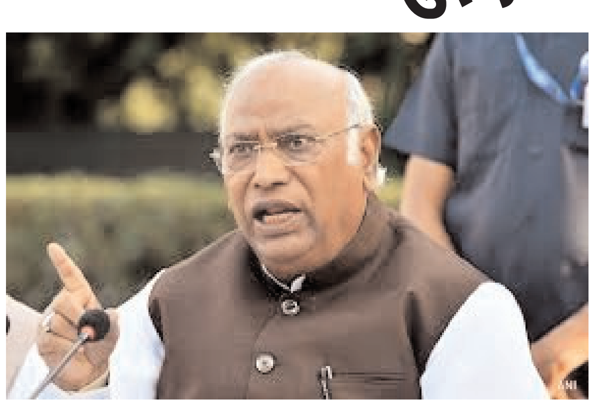

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के घोषणापत्र के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने जो झूठ फैलाया, जनता ने उसे समझ लिया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मैं इस मौके पर कहना चाहूंगा कि राहुल गांधी जी की दोनों यात्राओं- 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा'- के दौरान लाखों-करोड़ों लोगों को मिलना, लोगों की समस्याओं को सुनना और आगे चलकर उन समस्याओं का हल ढूंढना, हमारे चुनाव अभियान का आधार बना। हमने इसी को पांच न्याय और 25 गारंटी का नाम दिया।''

खरगे ने दावा किया, ''भाजपा नेतृत्व ने धीरे-धीरे सारे सांविधानिक संस्थाओं के ऊपर ग़ैर-क़ानूनी तरीक़े से क़ब्ज़ा करने की कोशिश की। फिर इनका उपयोग विरोधी दल के ख़िलाफ़ करने लगे। जो दब गया, उसे दबाकर अपने तरफ़ कर लिया। जो नहीं दबे उसकी पार्टी को तोड़ दिया, नहीं तो फिर जेल में डाल दिया।''

उनके मुताबिक, ''लोगों को ये विश्वास हो गया था कि मोदीजी को एक मौक़ा और मिला तो अगला हमला संविधान पर होगा। लोगों को इसके प्रमाण नए संसद सत्र के साथ ही दिखेगा। ख़ुशी इस बात की है कि भाजपा इस षड्यंत्र में अब सफल नहीं हो पाएगी।''

खरगे ने 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का आभार जताते हुए कहा, ''सभी एक साथ मिलकर एक स्वर में रहे। सभी ने मिलकर प्रचार किया और एक दूसरे की मदद की। हमारे हज़ारों-लाखों कार्यकर्ताओं ने अच्छे तालमेल के साथ काम किया।''

उन्होंने कहा, ''हम सबको आनेवाले दिनों में इसी तरह लोगों के अधिकारों के लिए, संविधान की रक्षा के लिए, देश की तरक़्क़ी के लिए, सीमाओं पर सुरक्षा के लिए लड़ते रहना होगा। हमें सुनिश्चित करना होगा कि संसद सुचारू रूप से चले। विपक्ष के मुद्दों को प्राथमिकता मिले। संसद में उनपर बहस हो।''

विजय उत्सव

कर्नाटक में चुनाव रुझान आने के बाद भाजपा के बेंगलूरु के मल्लेश्वरम् स्थित प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में कार्यकर्ताओं ने विशेष उत्साह के साथ विजय उत्सव मनाया। सोमवार रात को ही भवन को रंग बिरंगी लाइट से सजाया गया था। मंगलवार सुबह 10 बजे जैसे जैसे देश भर के चुनावों के रुझान आने शुरु हुए कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ बैंड बाजे की धुन पर डांस किया और विजय उत्सव मनाया। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र राघवेन्द्र, पार्टी के विपक्ष के नेता आर अशोक, पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि आदि की उपस्थित में कार्यकर्ताओं ने विजय उत्सव मनाया।

दक्षिण कन्नड़ सीट से भाजपा उम्मीदवार कैप्टन बृजेश चौटा लगभग डेढ़ लाख मतों से जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार कैप्टन बृजेश चौटा ने कांग्रेस के पद्मराज आर पुजारी को 1,49,208 मतों के भारी अंतर से पराजित कर बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस परंपरागत सीट पर पार्टी का कब्जा बरकरार रखा है। दक्षिण कन्नड़ लोकसभा क्षेत्र के निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिले के उपायुक्त मुल्लई मुहिलान ने 'पीटीआई भाषा' को यह जानकारी देते हुए बताया कि 19 चरण की मतगणना और डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने के बाद भाजपा के उम्मीदवार कैप्टन ब्रिजेश चौटा विजयी हुए हैं।

उन्होंने यह सीट कांग्रेस के पद्मराज आर पुजारी को 1,49,208 मतों के भारी अंतर से पराजित कर जीती। कैप्टन बृजेश चौटा ने भाजपा की इस परंपरागत सीट को पार्टी के लिए बरकरार रखा है। इससे पहले निवर्तमान सांसद नलिन कटील ने यह सीट 2009 से 2019 तक लगातार तीन बार भाजपा के लिए जीती थी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी मुल्लई मुहिलान ने बताया कि भाजपा के कैप्टन बृजेश चौटा को कुल 7,64,132 मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के पद्मराज आर पुजारी को कुल 614924 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार भाजपा के उम्मीदवार कैप्टन बृजेश चौटा ने कांग्रेस के पद्मराज आर पुजारी को कुल 149208 मतों से पराजित कर यह सीट भाजपा के लिए बरकरार रखी।

कर्नाटक में कुल 28 लोकसभा सीट हैं और यहां दक्षिण कर्नाटक एवं तटीय कर्नाटक की 14 सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को एवं शेष उत्तर कर्नाटक की 14 सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान हुआ था।

जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी मंड्या सीट से विजयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने मंगलवार को कर्नाटक की मांड्या लोकसभा सीट 2,84,620 मतों के भारी अंतर से जीत ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के वेंकटरमण गौड़ा उर्फ स्टार चंद्रू को हराया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, कुमारस्वामी को 8,51,881 मत मिले जबकि गौड़ा को 5,67,261 मत मिले। जद (एस) ने राज्य में भाजपा के साथ गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ा था।

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के 64 वर्षीय पुत्र ने मोदी सरकार के सत्ता में वापस

आने पर कृषि मंत्री बनने की अपनी इच्छा व्यक्त की है। कुमारस्वामी जद (एस) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हैं और वह पांच बार विधायक रह चुके हैं तथा अभी चन्नपटना विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री कारजोल चित्रदुर्गा सीट से जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं भाजपा उम्मीदवार गोविंद करजोल ने कर्नाटक की चित्रदुर्गा लोकसभा सीट पर मंगलवार को 48,121 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

कारजोल को 6,84,890 वोट मिले और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार बी एन चंद्रप्पा (6,36,769) को हराया। उन्होंने

चित्रदुर्गा से भाजपा उम्मीदवार के रूप में, सांसद और केंद्रीय समाज कल्याण एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ए. नारायणस्वामी की जगह ली थी। कारजोल (73) को 2023 के राज्य विधानसभा चुनावों में मुधोल से कांग्रेस के आर बी तिम्मापुर ने हराया था, जो अब सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि गुलबर्गा सीट से जीते

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खरगे के दामाद राधाकृष्ण डोड्डामणि ने मंगलवार को कर्नाटक की गुलबर्गा लोकसभा सीट 27,205 वोटों के अंतर से जीत ली। उन्होंने भाजपा के उमेश जाधव को हराया, जो सीट से मौजूदा सांसद थे। डोड्डामणि को 6,52,321 वोट जबकि जाधव को 6,25,116 वोट मिले।

कर्नाटक में कांग्रेस अपने प्रदर्शन में सुधार किया, भाजपा की जमीन खिसकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस लोकसभा की अपनी सीटों की संख्या में सुधार किया जबकि भाजपा के प्रदर्शन में गिरावट नजर आ रही है। कर्नाटक राज्य में दो चरणों में चुनाव हुए। पहले चरण में 14 सीटों पर दक्षिण कर्नाटक की सीटों पर तथा दूसरे चरण में 14 सीटों पर उत्तर कर्नाटक की सीटों पर चुनाव हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में 17 सीटों पर जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस ने नौ सीट पर जीत दर्ज कर अपना अच्छा प्रदर्शन किया। जनता दल(सेक्युलर) ने दो सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। पिछले साल मई में विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन रहा। कांग्रेस ने राज्य में शुरू की अपनी पांच गारंटी योजनाओं पर काफी भरोसा जताया था। उसने 2019 के आम चुनावों में महज एक सीट जीती थी। दक्षिण भारत में भाजपा के लिए कर्नाटक सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूर्व में यहां भाजपा सत्ता में रही है। पिछले साल विधानसभा चुनाव में हार के बाद भाजपा ने लोकसभा चुनावों में अपनी संभावनाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया था।

भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में 25 सीट पर जीत हासिल की थी, जबकि उसके समर्थन वाला एक निर्दलीय उम्मीदवार भी जीता था। कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनाव में पिछले दो दशकों में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली जद(एस) के लिए यह लोकसभा चुनाव अहम माना जा रहा था। उसने विधानसभा में केवल 19 सीटें जीती थी।

कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना हासन लोकसभा सीट पर पीछे हैं। जद(एस) उन्हें पहले ही निलंबित कर चुकी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के दामाद राधाकृष्णन डोड्डामणि ने कलबुर्गी लोकसभा से अपनी जीत दर्ज की है।

यह चुनाव कांग्रेस के लिए बहुत महत्वपूर्ण चुनाव रहा। इस चुनाव में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तथा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए अहम परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था। भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येडीयुरप्पा के पुत्र विजयेन्द्र येडीयुरप्पा के लिए यह चुनाव 'अग्नि परीक्षा' माना जा रहा है जिन्हें पिछले साल नवंबर में पार्टी की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

सत्ता की राजनीति पर विश्वास की राजनीति की जीत है : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इस लोकसभा चुनाव में, जीवन ने भावनाओं पर जीत हासिल की है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, चुनाव नतीजों ने साबित कर दिया है कि उत्तर भारत के राज्यों में भी मोदी और राम मंदिर की कोई लहर नहीं है। लोकसभा चुनाव के नतीजे को लेकर सदाशिवनगर स्थित आवास पर मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा; कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में, मैं राज्य और देश के लोगों के फैसले का सम्मान करता हूं। विश्वास की राजनीति ने सत्ता की राजनीति पर जीत हासिल की है। देश में जज्बात हार गयी, जिंदगी जीत गयी। बीजेपी कह रही थी कि हम 400 सीटें जीतेंगे। यह संभव नहीं है। बीजेपी तो अयोध्या में ही हार गई।

डॉ. मंजूनाथ को बधाई

कर्नाटक में हमने 1 सीट से 9

सीट की वृद्धि की है। हमें 14 सीटों की उम्मीद थीं। मेरे क्षेत्र में डॉ. मंजुनाथ को उनकी जीत पर मैं व्यक्तिगत रूप से बधाई देता हूँ। यहां उनकी पार्टी की बजाय व्यक्ति की जीत हुई। उन्हें बहुत ही सोच-समझकर बीजेपी से चुनाव लड़वाया।

मुझे हार के इतने बड़े अंतर की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ काम किया और कोई शासन विरोधी लहर नहीं थी। लेकिन लोगों ने मंजूनाथ पर जीत हासिल कर ली है कि उन्हें उन्हें एक मौका देना चाहिए। मुझे अपने क्षेत्र में 60 हजार वोटों की बढ़त मिलने की उम्मीद थी। लेकिन मुझे इतनी ज्यादा अंतर से हारने की उम्मीद नहीं थी। मैं इस परिणाम के माध्यम से लोगों द्वारा दिए गए संदेश को समझता हूं। जागरूक मतदाता के फैसले पर सवाल नहीं उठाया जाता। हमें बहुत आगे तक आना चाहिए था। हमें आश्चर्य है कि यह कम क्यों है? हमें गारंटीशुदा योजनाओं से अधिक सीटों की उम्मीद थी। हम जाँचेंगे कि लोग हमसे किस बात पर असहमत हैं और आने वाले दिनों में इसे ठीक करेंगे।

उन्होंने कहा कि मोदी की लोकप्रियता कम हो गई है। हिंदी भाषी वर्ग में भी गिरावट स्पष्ट है। इस बात पर सभी को सहमत होना होगा कि बीजेपी के पास पूर्ण बहुमत नहीं है। जैसे मुझे अपने निर्वाचन क्षेत्र में झटका लगा, वैसे ही भाजपा को अयोध्या में भी झटका लगा। पिछली बार बीजेपी ने 303 सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन वह घटकर 243 सीटों पर आ गई। बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। यहां तक कि दूसरे दलों पर निर्भर एनडीए ने भी वह हासिल नहीं किया जो उसने दावा किया था।

जद (एस) से निलंबित प्रज्ज्वल रेवन्ना हासन सीट से हारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के निलंबित नेता एवं हासन के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना मंगलवार को अपनी सीट नहीं बचा सके और 42,649 मतों के अंतर से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस के श्रेयस एम पटेल विजेता रहे। प्रज्ज्वल को

6,30,339 वोट मिले, जबकि पटेल को 6,72,988 वोट मिले। जद (एस) के संरक्षक एवं पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल (33) ने राजग उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था।

छब्बीस अप्रैल को हासन में चुनाव होने के बाद प्रज्ज्वल के खिलाफ महिलाओं के यौन शोषण के आरोप सामने आने के पश्चात जद (एस) ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। वह फिलहाल मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की हिरासत में हैं।

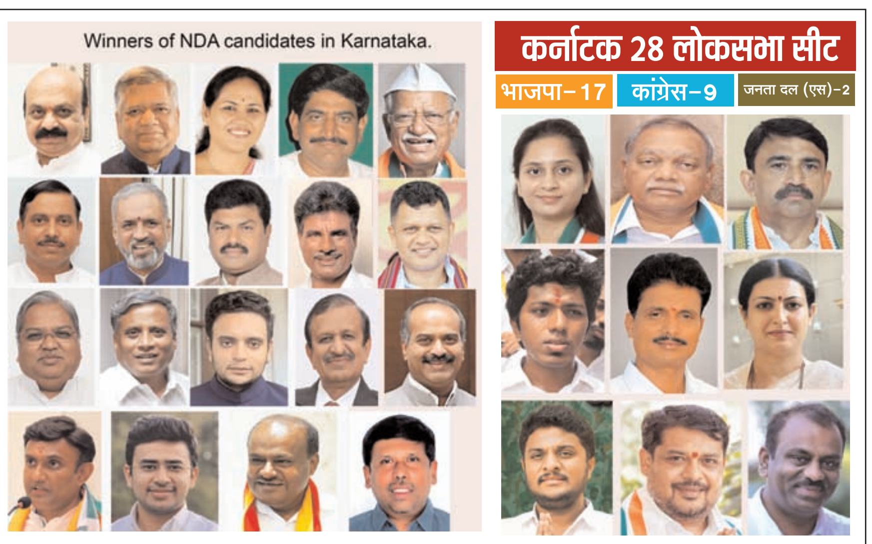

मोदी ने जो लोकप्रियता अर्जित की वह वैश्विक मानकों के हिसाब से 'ऐतिहासिक' : तेजस्वी सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण से भाजपा के उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या को कल 7,50,830 वोट मिले वहीं उनकी प्रतिद्वंदी कांग्रेस पार्टी की सौम्या रेड्डी को मात्र 4,73,747 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। तेजस्वी ने 2,77,083 वोटों से यह सीट जीती। इस मौके पर सांसद तेजस्वी सूर्या ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो लोकप्रियता अर्जित की है वह वैश्विक मानकों के हिसाब से 'ऐतिहासिक' है। बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा सीट से फिर से चुनाव लड़ रहे सूर्या ने 'विवेकहीन तुष्टीकरण' के लिए विपक्षी दलों की आलोचना भी की।

उन्होंने कहा, ''यह देश के लिए कई मायनों में ऐतिहासिक दिन है। शायद ही दुनिया में किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसा कोई समानांतर नेता नहीं है जहां देश के लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेता को लगातार तीसरी बार और पिछले दो बार की तुलना में बराबर या बड़े तरीके से चुना गया हो।'' उन्होंने कहा, ''इस लिहाज से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह की लोकप्रियता अर्जित की है, वह वैश्विक मानकों के हिसाब से भी ऐतिहासिक है।''

सूर्या के अनुसार, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव भारतीय राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ साबित हुए क्योंकि लोगों ने लगभग 30 वर्षों के बाद एक स्थिर और निर्णायक सरकार को चुना और मुख्य रूप से उस विमर्श के आधार पर चुना जो भारत में सबसे तेज गति के विकास के लिए विकास और प्रगतिशील दृष्टिकोण के आसपास केंद्रित थी। तैंतीस वर्षीय भाजपा नेता ने कहा, ''विपक्ष ने मुफ्त बिजली, मुफ्त बस (सेवाएं), मुफ्त मानदेय से लेकर सब कुछ का वादा किया था। यहां तक कि उन्होंने जो भी वादा किया वह देश के बजट से अधिक है। कोई भी मतदाता इस तरह के नासमझ तुष्टिकरण का शिकार हो जाता।''

मैसूरु के राजा वाडियार को लोकसभा चुनाव में मिली जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मैसूरु के पूर्व राजपरिवार के वंशज यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार, पूर्व मंत्रियों कोटा श्रीनिवास पुजारी और के. सुधाकर (सभी भाजपा) ने मंगलवार को कर्नाटक में लोकसभा चुनाव में जीत हासिल की। वाडियार ने मैसूर लोकसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के एम. लक्ष्मण को 1,39,262 मतों से हराया। वाडियार को 7,95,503 जबकि लक्ष्मण को 6,56,241 वोट मिले।

लक्ष्मण की हार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि मैसूर उनका गृह जिला है और उन्होंने वहां प्रचार में काफी समय लगाया था।

कर्नाटक विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष पुजारी ने उडुप्पी-चिकमगलूर सीट पर 2,59,175 मतों के अंतर से जीत हासिल की। पिछली भाजपा सरकार में मंत्री रहे पुजारी को 7,32,234 जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के जयप्रकाश हेगड़े को 4,73,059 वोट मिले। भाजपा की पिछली राज्य सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे सुधाकर को चिक्कबलापुर संसदीय क्षेत्र में 8,22,619 वोट मिले जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के रक्षा रामैया को 6,59,159 वोट मिले।

तमिलनाडु में द्रमुक और सहयोगी दल बड़ी जीत की ओर

चेन्नई/दक्षिण भारत । तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीटों में से राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी दल 37 सीटों पर जीत की ओर अग्रसर हैं तथा अन्नाद्रमुक और भाजपा के सहयोगी प्रधानमंत्रीके को एक-एक सीट मिल सकती है। निर्वाचन आयोग के नवीनतम रुझानों में यह जानकारी मिली है। तमिलनाडु में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मत प्रतिशत 10 फीसदी के पार गया है। उसे अभी तक 10.21 प्रतिशत वोट मिले हैं। हालांकि, भाजपा का कोई भी प्रत्याशी किसी सीट से आगे नहीं है।

द्रमुक 21 सीटों पर आगे है जबकि कांग्रेस आठ सीटों पर आगे है। वीसीके, भाकपा, माकपा दो-दो सीटों और एमडीएमके तथा आईयूएमएल, सत्तारूढ़ पार्टी के अन्य दो सहयोगी दल एक-एक सीट पर आगे हैं। कुल मिलाकर द्रमुक और उसके सहयोगी दल हर दौर की मतगणना में अपनी झोली में और वोट डाल रहे हैं और उनके कुल 39 में से 37 सीटों पर जीतने की संभावना है। महज दो सीटों -(नामाक्कल- एस तमिलमणि और कल्लाकुरिची - आर कुमारगुरु) पर पहले आगे रहा मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक अब पीछे हो गया है और उन क्षेत्रों में द्रमुक के उम्मीदवार आगे हैं।

जयपुर में भाजपा की मंजू शर्मा 3.31 लाख वोटों से जीतीं, कांग्रेस प्रत्याशी की करारी शिकस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा चुनाव के नतीजों में एग्जिट पोल की पोल लगभग खुलती गई है। चुनाव आयोग के रुझानों के मुताबिक राजस्थान में भाजपा 14 सीटों पर जीत रही है। जबकि कांग्रेस 8 सीटों पर विजयश्री प्राप्त करने जा रही है। वहीं सीपीआईएम, आरएलपी और भारत आदिवासी पार्टी भी एक-एक सीट जीतने के करीब हैं।

राजधानी **जयपुर** में भाजपा की प्रत्याशी मंजू शर्मा 3 लाख 31 हजार 767 वोटों चुनाव जीत गई हैं। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से था। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री रहे भंवर लाल शर्मा की बेटी मंजू शर्मा को इस बार पूर्व सांसद रामचरण बोहरा का टिकट काटकर दिया गया था। वैसे भी जयपुर भाजपा का परंपरागत गढ़ माना जाता रहा है।

बीकानेर सुरक्षित लोकसभा सीट पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के गोविंदराम मेघवाल पर भारी पड़े हैं। वे 55711 वोटों से लोकसभा चुनाव जीत गए हैं।

भीलवाड़ा में लोकसभा चुनाव का मुकाबला एकतरफा होता नजर आया। यहां कांग्रेस नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी करीब 3.54 लाख वोटों से चुनाव हार गए हैं। उन्हें भाजपा के दामोदर अग्रवाल ने करारी शिकस्त दी है। चुनाव आयोग के मुताबिक भाजपा के दामोदर अग्रवाल को 807640 वोट मिले। जबकि सी.पी. जोशी को 453034 वोट ही मिले।

उदयपुर यानि मेवाड़ में भाजपा अपना दबदबा कायम रखने में कामयाब रही है। हालांकि पहले यहां कद्दावर नेता गुलाब चंद कटारिया और किरण माहेश्वरी की कमी महसूस की जा रही थी। लेकिन, लोकसभा चुनाव नतीजों ने इस धारणा को नकार दिया है। यहां से भाजपा प्रत्याशी मन्नालाल रावत 2.59 लाख वोटों से लगभग चुनाव जीत गए हैं।

सीकर में सांसद रह चुके भाजपा के सुमेधानंद सरस्वती को इस बार यहां की जनता ने फिर से कमंडल थमा दिया है। यहां के लोगों ने इस बार इंडिया गठबंधन के सहयोगी रहे कॉमरेड अमराराम पर भरोसा जताया है। वे लगभग चुनाव जीत चुके हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक अमराराम शाम 4.38 बजे तक 70 हजार से ज्यादा वोटों की लीड बनाए हुए थे। बता दें कि गठबंधन के कारण कांग्रेस ने यह सीट उझखच के लिए छोड़ दी थी।

राजसमंद यानि मेवाड़ में भाजपा का दबदबा एक बार फिर साबित हुआ है। यहां से मेवाड़ राजघराने से संबंध रखने वाली भाजपा प्रत्याशी महिमा कुमारी मेवाड़ करीब 3.92 लाख वोटों से चुनाव जीत रही हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक वे शाम 4.24 बजे तक 3.92 लाख वोटों से आगे थीं। कांग्रेस के दामोदर गुर्जर भी यहां करीब 3.89 लाख वोट ले चुके थे।

पाली लोकसभा सीट पर भाजपा अपनी मजबूत पकड़ बनाने में कामयाब रही है। यहां भाजपा प्रत्याशी पीपी चौधरी चुनाव आयोग के मुताबिक शाम 4.11 बजे तक 2.44 लाख से भी ज्यादा वोटों से बढ़त ले रखी थी। उनकी यह जीत सुनिश्चित मानी जा रही है। कुछ ही देर में चुनाव आयोग इस नतीजे को अपडेट कर देगा। बता दें कि यह भाजपा के कद्दावर नेता ओमप्रकाश माथुर का गृह क्षेत्र माना जाता है। माथुर केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं और राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष एवं गुजरात, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों के प्रभारी रह चुके हैं।

नागौर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के हनुमान बेनीवाल ने एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ साबित की है। लोकसभा चुनाव में वे अपरान्ह करीब 4 बजे तक 41 हजार से ज्यादा वोटों से बढ़त बनाए हुए थे। कहा जा रहा है कि बेनीवाल चुनाव जीत गए हैं। लेकिन, चुनाव आयोग ने अधिकृत घोषणा नहीं की है। बेनीवाल ने यहां कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आईं ज्योति मिर्धा को चुनाव हराया है। बता दें कि बेनीवाल पिछली बार एनडीए का हिस्सा थे। लेकिन, इस बार वे इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए।

झालावाड़ लोकसभा सीट के चुनाव नतीजों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पूर्व सीएम वसुंधराराजे का राजस्थान में दबदबा कायम है। झालावाड़ से उनके बेटे दुष्यंत सिंह फिर चुनाव जीत रहे हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक दोपहर 3.42 बजे तक वे 3.69 लाख से भी ज्यादा वोटों से आगे थे। उनकी जीत की घोषणा होना ही बाकी है। बता दें कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव के समय से ही वसुंधराराजे को साइड लाइन कर दिया था।

जालौर लोकसभा सीट में कांग्रेस प्रत्याशी वैभव गहलोत की बड़ी हार हो रही है। वे 2 लाख से ज्यादा वोटों से पीछे हैं। यह वैभव के पिता और राजस्थान में 3 बार मुख्यमंत्री रहे अशोक गहलोत के बड़ी शर्मनाक हार है। क्योंकि अशोक गहलोत अब तक कांग्रेस छोड़कर जाने वाले नेताओं को नॉन परफॉर्मिंग असेस्ट बताकर उनका मजाक उड़ा रहे थे। गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश कुमार ने नैतिकता के आधार पर गहलोत से राजनीतिक सन्यास लेने की मांग कर डाली है।

झुंझुनूं लोकसभा सीट पर कांग्रेस अपना वर्चस्व कायम रखने में लगभग कामयाब रही है। यहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के पुत्र बृजेंद्र ओला लगभग चुनाव जीत गए हैं। चुनाव आयोग की ओर से इसकी घोषणा होनी बाकी है। दोपहर 3.20 बजे तक बृजेंद्र ओला 17534 वोटों की लीड़ बनाए हुए थे।

जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर कड़ा मुकाबला हो गया है। वह भी तब जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में अपने चुनाव प्रचार का आगाज यहीं से किया था। भाजपा के प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह यहां दोपहर 3 बजे तक सिर्फ 5896 वोटों की लीड बनाए हुए थे। यहां उन्हें कांग्रेस के प्रत्याशी अनिल चौपड़ा से कड़ी टक्कर मिल रही थी। बताया जा रहा है कि अनिल चौपड़ा वोटों की दुबारा गिनती कराए जाने की मांग कर रहे है।

करौली-धौलपुर लोकसभा सीट पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियां फेल हो गई हैं। यहां ईसीआरपी का बड़ा मुद्दा था। भाजपा ने मध्य प्रदेश से समझौता करके इसे भुनाने की कोशिश की थी। इसके बावजूद यहां भाजपा हारती हुई नजर आ रही है। क्योंकि कांग्रेस के भजन लाल जाटव ने दोपहर 3 बजे तक 98 हजार से ज्यादा वोटों से बढ़त बना ली थी। भाजपा ने यहां मनोज राजौरिया का टिकट काटकर इंदु देवी पर भरोसा जताया था। लेकिन, वे चुनाव हार रही हैं। वह भी तब जबकि करौली में जनसभा भी की थी।

भरतपुर यानि अपने ही घर में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की बड़ी हार होती नजर आ रही है। क्योंकि यहां कांग्रेस की संजना जाटव दोपहर 53 हजार से ज्यादा वोटों की बढ़त बना चुकी थीं। इतने बड़े मार्जिन के बाद भाजपा प्रत्याशी रामस्वरूप कोली मतगणना स्थल छोड़कर जा चुके थे। इस क्षेत्र में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा समेत भाजपा के कई नेताओं ने बड़ी ताकत लगाई थी। यहां ईआरसीपी का मुद्दा भी भुनाने का प्रयास किया गया था।

दौसा लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ना तो गारंटी चली और ना ही रोड शो कोई जादू बिखेर पाया है। यहां कांग्रेस के मुरारी लाल मीणा करीब 2 लाख मतों से आगे हो गए हैं। उन्हें दोपहर 1.12 बजे तक 567726 व भाजपा के प्रत्याशी कन्हैयालाल मीणा को 367913 वोट मिले हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा के कन्हैया लाल मीणा के लिए इतने बड़े अंतर को पाट पाना बहुत मुश्किल है।

वहीं राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की मुश्किलें भी बढ़ती दिखाई दे रही हैं। क्योंकि वे घोषणा कर चुके हैं कि अगर कन्हैया लाल मीणा समेत जिन 7 सीटों की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी, उन सीटों पर भाजपा प्रत्याशी चुनाव हारते हैं तो वे पद से इस्तीफा दे देंगे।

श्रीगंगानगर लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू नहीं चल पाया है। यहां से भाजपा चुनाव हारती हुई नजर आ रही है। कांग्रेस के कुलदीप इंदौरा दोपहर 1 बजे तक अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा की प्रियंका बालान मेघवाल पर 61757 वोटों से बढ़त बनाए हुए थे। माना जा रहा है कुलदीप इंदौरा की इस लीड़ को भाजपा के लिए पाट पाना बहुत मुश्किल है।

चूरू लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी फेल हो गई है। यहां भाजपा के देवेंद्र झांझड़िया अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के राहुल कस्वां से 45 हजार से ज्यादा वोटों से पिछड़ चुके हैं। दोपहर 12.42 बजे तक कांग्रेस के राहुल कस्वां 393119 वोट ले चुके थे। जबकि देवेंद्र झांझड़िया को सिर्फ 348033 वोट मिले थे। बता दें कि यहां पीएम मोदी ने नारा दिया था कि दिल्ली में नरेंद्र और चूरू में देवेंद्र। लेकिन, यह नारा नहीं चल पाया।

चित्तौड़गढ़ में राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सी. पी. जोशी जीत की ओर अग्रसर दिख रहे हैं। वे दोपहर 12.15 बजे तक 1.81 लाख वोटों से आगे निकल चुके थे। कांग्रेस के उदय लाल आंजना के लिए इस अंतर को पाट पाना बहुत मुश्किल है। उल्लेखनीय है कि पूरे लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अपने संसदीय क्षेत्र से बाहर नहीं निकल पाए थे।

जोधपुर संसदीय सीट पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत कड़े संघर्ष में फंसे हुए नजर आ रहे हैं। दोपहर 12.9 बजे तक वे सिर्फ 21 हजार वोटों से ही बढ़त ले पाए थे। यहां पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का काफी प्रभाव माना जाता है। यहां से कांग्रेस के प्रत्याशी करण सिंह उचाड़िया 229988 वोट ले चुके थे।

बांसवाड़ा संसदीय सीट पर भारत आदिवासी पार्टी अच्छा प्रदर्शन करती नजर आ रही है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए महेंद्रजीत सिंह मालवीय चुनाव हारते नजर आ रहे हैं। क्योंकि भारत आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत दोपहर 12 बजे तक 1.29 लाख वोटों से बढ़त ले ली थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि मालवीय के लिए इतने बड़े अंतर को पाट पाना मुश्किल है।

कोटा संसदीय क्षेत्र में लोकसभा स्पीकर ओम बिडला बड़ी मुश्किल में फंसे हुए नजर आ रहे हैं। भाजपा छोड़कर कांग्रेस में गए स्थानीय नेता प्रहलाद गुंजल से उन्हें कड़ी टक्कर मिल रही है। सुबह 11.45 बजे तक ओम बिडला सिर्फ 12843 वोटों की बढ़त बना पाए थे। चुनाव आयोग के मुताबिक बिडला को 244049 वोट मिले थे।

अजमेर संसदीय क्षेत्र में भाजपा के भागीरथ चौधरी 190628 वोटों की बढ़त बना चुके हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक उन्हें 429319 वोट मिल चुके हैं। जबकि कांग्रेस के रामचंद्र चौधरी को 238691 वोट ही मिले हैं।

अलवर संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री रहे भूपेंद्र यादव 55557 वोटों से आगे चल रहे हैं। 257954 वोट मिल चुके हैं। जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के ललित यादव को 202382 वोट मिले हैं।

कोटा रिवर फ्रंट के एनीकट से चम्बल के तीनों पुलों के बहने का खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में चम्बल नदी पर पन्द्रह सौ करोड़ रूपए की लागत से बनाए गए रिवर फ्रंट की वजह से चम्बल नदी के डाऊन स्ट्रीम में बने तीनों सड़क पुल बाढ़ आने की स्थिति में बह सकते हैं। यह चेतावनी पीपुल्स रिसोर्स सेंटर की ओर से रविवार को यहां आयोजित दो दिवसीय सेमीनार में संयोजक और सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियन्ता ए के जैन ने दी। उन्होंने कहा कि नगर विकास न्यास ने रिवर फ्रंट बनाते समय पुलों की सुरक्षा के बारे में पीडब्ल्यूडी से विचार विमर्श और सहमति लेने की कोशिश तक नहीं की।

जैन कहा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने गत वर्ष 10 अक्टूबर को एक संयुक्त कमेटी गठित की थी। इसमें गुजरात इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (जेरी) की 3 डी कम्पोजिट मोडल स्टडी रिपोर्ट के अनुसार कोटा बैराज 551.68 मीटर लंबा है। इसमें 246.88 मीटर मिट्टी का बांध है जबकि 304.88 कंक्रीट से बना पक्का डैम है। इसमें 19 गेट हैं। बाढ़ आने पर जब इन्हें खोला जाता है तो 8.81 लाख क्यूसैक्स पानी का निकास बैराज से होता है।

जैन का कहना था कि सबसे बड़ी समस्या उस एनीकट ने पैदा की है जो रिवर फ्रंट में हमेशा पानी भरने के लिए बनाया गया है। यह तीन मीटर ऊंचा है और इसकी लंबाई 245 मीटर ही है। इसका अभिप्राय यह है कि इस स्थान पर चम्बल नदी को 59 मीटर सिकोड़ दिया गया है। जाहिर है कि 19 गेट खुलने पर छोड़ा गया पानी 304 मीटर से निकलकर एकदम एनीकट में फंसेगा तो ..हाइड्रोलिक जंप.. की स्थिति बनेगी यानी बाढ़ ऊपर की ओर उछाल मारेगी और अगर वह पुलों की स्लैब से टकराई तो उसे बहा ले जाएगी।

उन्होंने कहा कि पुलों के ऊपर की स्लैब गर्मी से फैलती और ठंड से सिकुड़ती है, इसलिए उसे बियरिंग पर ही रखना पड़ता है। ये बियरिंग लोहे के बने होते हैं जो पानी के संपर्क में आने से जंग लगने से जाम हो सकते हैं और बाढ़ का पानी स्लैब से टकराए तो वह बह भी सकते हैं। क्योंकि वह नीचे वाले खंबों से बंधे नहीं होते, सिर्फ रखे होते हैं।

उनका कहना था कि राज्य सरकार को सबसे पहला काम तो इन पुलों की सुरक्षा ऑडिट करवानी चाहिए। साथ ही यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि साल में दो बार पुलों के बियरिंग की ग्रीसिंग कैसे की जा रही है?

सेमीनार के संयोजक जैन ने कहा कि कोटा बैराज का अर्दन डैम वाला हिस्सा जो मिट्टी का है, उसमें सीपेज होना जरूरी है, इससे बांध का दबाव रिलीज होता रहता है लेकिन उसे नापने वाले पीजो मीटर और फिल्टर (गिट्टी से बनाई गई संरचना) जिससे पानी का निकास आसानी से होता रहता है। ये दोनों बन्द पड़े हैं इसलिए पानी कहां से जमीन में प्रविष्टि हो रहा या निकल रहा है, यह पता नहीं चल पा रहा है। यह खतरनाक स्थिति है और कभी भी मिट्टी का बांध बह सकता है। इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। सेमीनार में देश के 32 से भी अधिक विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कांग्रेस जीत का जश्न मनाती हुई

प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना नाम हटा लें मोदी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि आम चुनाव में न तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 370 सीट मिल पाएंगी और न ही राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 सीट मिलेंगी ऐसे में नरेन्द्र मोदी को अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से अपना नाम हटा लेना चाहिए। मतगणना के रुझानों के बीच गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, अब यह स्पष्ट हो गया है कि न तो भाजपा को 370 सीट मिल पाएंगी और न ही राजग को 400 सीट मिलेंगी। प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर भाजपा को स्पष्ट बहुमत भी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में नरेन्द्र मोदी को अपना नाम अब प्रधानमंत्री पद की दावेदारी से हटा लेना चाहिए।

गहलोत के कहा, वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी तरह अपने ऊपर केन्द्रित किया। प्रचार में मोदी की गारंटी, फिर से मोदी सरकार जैसे जुमले सुनाई और दिखाई दिए। यहां तक की प्रत्याशियों को दरकिनार कर पूरा चुनाव मोदी की गारंटी के नाम पर चला। उन्होंने कहा कि चुनाव में महंगाई, बेरोजगारी, समाज में बढ़ता तनाव जैसे मुद्दे गौण हो गए और केवल मोदी-मोदी ही सुनाई देने लगा।

प्राण जाय पर बचन न जाई : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा चुनाव की मतगणना में दौसा सहित 14 सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बढ़त के बीच कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मंगलवार को संकेत दिया कि वह अपने अधीन आने वाली सातों सीट में से एक पर भी भाजपा की हार होने पर पद से इस्तीफा देने' की अपनी बात पर कायम रहेंगे।

मीणा ने मतगणना के रुझानों के बीच सोशल मीडिया 'एक्स' पर 'श्रीरामचरितमानस' की चौपाई लिखा, रघुकुल रीति सदा चलि आई। प्राण जाई पर बचन न जाई।

मीणा ने सोमवार को कहा था कि अगर भाजपा उनके अधीन आने वाली सात सीट में से कोई भी सीट हारती है तो वे मंत्री पद छोड़ देंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के दौसा आने से पहले मैंने कहा था कि अगर (दौसा) सीट नहीं जीती तो मैं मंत्री पद छोड़ दूंगा। बाद में प्रधानमंत्री ने मुझसे अलग से बात की और मुझे सात सीट की सूची दी। मैंने 11 सीट पर कड़ी मेहनत की है और अगर पार्टी सात में से एक भी सीट हारती है तो मैं मंत्री पद छोड़ दूंगा और यहां पानी पिलाऊंगा।

सभी 25 निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना के रुझानों के अनुसार, कांग्रेस दौसा, करौली-धौलपुर, टोंक-सवाईमाधोपुर, भरतपुर, श्रीगंगानगर, चूरू, झुंझुनू और बाड़मेर में आगे है।

मेघवाल ने जताया जनता और कार्यकर्ताओं का आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर संसदीय क्षेत्र से फिर विजय हासिल करने के बाद केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार अर्जुन राम मेघवाल ने अपनी जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को देते हुए जनता का आभार जताया है । मेघवाल ने मीडिया से बातीचत में कहा जनता ने उन्हें लगातार चौथी बार संसद मे भेजने का अवसर दिया है, इसके लिये वह उनके आभारी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भाजपा के घटते समर्थन के साथ ही पिछली बार की तुलना में उनका जीत का अंतर काफी कम रहने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह समीक्षा का विषय है। हमें आसपास भी देखना पड़ेगा।

बीकानेर की रेलवे फाटक की समस्या के बारे में उन्होंने कहा कि इस काम पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसका समाधान काफी नजदीक है। अर्जुन राम मेघवाल ने कांग्रेस प्रत्याशी गोविंदराम मेघवाल को हराकर लगातार चौथी बार सांसद चुने गये हैं।

एमपीयूएटी की तर्ज पर सौ गांवों में काम करेगा विद्यापीठ विश्वविद्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय जल्द ही कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी) उदयपुर के साथ एम.ओ.यू. करेगा तथा एक सौ गांवों को गोद लेकर वहां के सर्वांगीण विकास को अमली जामा पहनायेगा। विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल प्रो शिव सिंह सारंगदेवोत ने अपने कार्यकाल के 12 वर्ष की पूर्णता पर सोमवार को आयोजित अभिनंदन सम्मान समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा कि एमपीयूएटी से करार के पीछे यही मकसद है कि विद्यापीठ का छात्र भी संस्थागत ज्ञान एवं तकनीकी हस्तान्तरण का ज्ञान, प्रसार शिक्षा निदेशालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से प्रायोगिक जानकारियां ले सके।

प्रो सारंगदेवोत ने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। ऐसे में कृषि जैसे विहंगम क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती है। यही कारण है कि हमने कृषि संकाय भी शुरू किया है जहां वर्तमान में 500 से ज्यादा विद्यार्थी अध्ययनरत है।

यहीं नहीं विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने फॉर्मेसी, बी.एड., होम्योपैथी जैसे - अत्यावश्यक और रोजगारपरक पाठ्यक्रम के साथ-साथ महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिये महिला महाविद्यालय भी खोले हैं। आगामी समय में महिला सशक्तिकरण और कृषि विषय पर ध्यान देने की जरूरत है ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाया जा सके।

'भारत गौरव अवार्ड' में देश-विदेश की नामी हस्तियां होंगी सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संस्कृति युवा संस्था की ओर से फ्रांस की सीनेट में देश-विदेश की नामी हस्तियों को 'भारत गौरव' के अलंकरण से विभूषित किया जायेगा। संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि यह भव्य आयोजन पांच जून को फ्रांस की सीनेट में मेहंदीपुर बालाजी के महंत डॉ नरेश पुरी जी महाराज के सानिध्य में होगा। समारोह के विशिष्ट अतिथि फ्रांस सरकार में मिनिस्टर ऑफ डेमोक्रेटिक रेनबूल सांसद भारतीय मूल की प्रिस्का थेवेनॉट होंगी। समारोह में फ्रांस की सीनेट में वाइस प्रेसिडेंट डोमिनिक थियोफाइल, फ्रांस में सीनेटर फ्रेडेरिक बुवल भी इसमें शामिल होंगे। भारतीय दूतावास के अधिकारी एवं लेबनान से डॉ. टोनी नडार भी सम्मिलित होगें। इस समारोह में भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, साउथ अफ्रीका, मलेशिया, सिंगापुर, दुबई, लंदन, इटली, स्विटजरलैंड, स्पेन, जिनेवा, पौलेंड, थाईलैंड, बैंकाक सहित कुल 18 देशों के प्रतिनिधि सम्मिलित होगें। संस्था के अध्यक्ष गौरव धामाणी ने बताया कि अब तक आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक रविशंकर, फिल्म स्टार मनोज कुमार, नोबेल प्राइज विजेता कैलाश सत्यार्थी, विश्व की सबसे प्रभावशाली महिला इन्द्रा नूई, जैन संत पुलक सागर, लोकेश मुनि, प्रसन्न सागर, मेजर ध्यानचंद, जी-मेल के आविष्कार शिवा अय्यादुराई, निरजा भेनोत सहित लगभग 300 प्रवासी भारतीयों को पिछले 10 वर्षों में सम्मानित किया जा चुका है। इस अवसर पर भारत देश के उत्थान में इन प्रवासी भारतीयों का इस प्रकार से योगदान हो सकता है।

लोकसभा चुनाव परिणाम ने साबित किया कि स्थिति बदलाव के लिए अनुकूल है : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा चुनाव परिणामों ने दिखा दिया है कि देश में स्थिति राजनीतिक बदलाव के लिए अनुकूल है।

साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि आगे की रणनीति तय करने के लिए बुधवार को दिल्ली में 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं के बैठक करने की संभावना है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के केंद्र में सरकार बनाने की संभावना नहीं है। पवार ने कहा, ''मैंने (कांग्रेस अध्यक्ष) मल्लिकार्जुन खरगे और (माकपा महासचिव) सीताराम येचुरी से बात की है।

'इंडिया' गठबंधन की बैठक बुधवार को दिल्ली में होने की संभावना है। आज शाम तक अंतिम निर्णय लिये जाने की उम्मीद है। उसी के अनुसार, मैं दिल्ली जाऊंगा।''

यह पूछे जाने पर कि अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, पवार ने कहा, ''हमने इस पर विचार नहीं किया है।''

उन्होंने कहा, '' इंडिया गठबंधन के सरकार बनाने को लेकर मैं आश्वत नहीं हूं। हम कल बैठक करेंगे और आगे की रणनीति पर आम सहमति से निर्णय लेंगे।'' पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी और शिवसेना (यूबीटी) का 'स्ट्राइक रेट' बहुत अच्छा है।

'इंडिया' गठबंधन के झूठ ने कुछ हद तक असर किया है : मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। लोकसभा चुनाव की मतगणना में कुछ राज्यों में भाजपा को झटका लगने के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के झूठ ने कुछ हद तक असर किया है।

साय ने कहा कि मतगणना अभी जारी है और राजग स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा और राजग ने कुछ राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि कुछ अन्य में खराब प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की जनता का पार्टी को आशीर्वाद देने के लिए आभार भी व्यक्त किया। पार्टी राज्य की 11 लोकसभा सीट में से 10 पर आगे है। साय ने कहा, ''मुझे आपको यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि छत्तीसगढ़ की 11 में से 10 सीट पर जीत निश्चित है। मतगणना अभी जारी है और मुझे पूरा विश्वास है कि प्रक्रिया समाप्त होने तक भाजपा शेष एक सीट भी जीत जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''मैं भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए मतदाताओं, भाइयों और बहनों को धन्यवाद देना चाहता हूं। छत्तीसगढ़ के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी पर मुहर लगा दी है।'' देश में पार्टी के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर साय ने कहा, ''मतगणना अभी जारी है और कई दौर बाकी हैं। हम अपने नारे (भाजपा के नारे अबकी बार, 400 पार) के करीब हैं। कुछ राज्यों में हमारा प्रदर्शन अच्छा है जबकि कुछ अन्य में खराब रहा है। भाजपा और राजग ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में अच्छा प्रदर्शन किया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''इंडिया गठबंधन ने झूठ का सहारा लिया, जैसे आरक्षण खत्म हो जाएगा, संविधान बदल दिया जाएगा। मुझे लगता है कि उनके झूठ ने थोड़ा असर किया है। हालांकि मतगणना अभी भी जारी है और राजग स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।''

प्रधानमंत्री मोदी को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''नैतिक हार स्वीकार करते हुए'' तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि उन्होंने लोकसभा चुनाव में यह दावा करते हुए प्रचार किया था कि भाजपा 400 से अधिक सीटें जीतेगी लेकिन वास्तव में वह अपने दम पर बहुमत तक हासिल करने में विफल रही।

एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगी कि मोदी केंद्र से सत्ता से बाहर हो जाएं और 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सारी विश्वसनीयता खो दी है, उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। 'इंडिया' जीत गया है, मोदी हार गए हैं। प्रधानमंत्री ने कई पार्टियों को तोड़ा और अब जनता ने उनका मनोबल भी तोड़ दिया है। मोदी अब सरकार बनाने के लिए तेदेपा और नीतीश (कुमार) के पैरों पर गिर रहे हैं। उन्होंने कहा, केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग और अत्याचार आज परास्त हो चुके हैं। केंद्रीय एजेंसियों और संसद में दो तिहाई बहुमत का इस्तेमाल करके हमें डराने वाली भाजपा को हम नहीं छोड़ेंगे। न तो हम उन्हें माफ करेंगे और न ही इंडिया के अन्य दल करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके भतीजे एवं तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी बुधवार को नई दिल्ली में 'इंडिया' की बैठक में शामिल होंगे।

गंभीर चतुर रणनीतिकार हैं, भारतीय टीम के लिए अच्छे कोच साबित होंगे : लालचंद राजपूत

मुंबई/भाषा। भारत के पूर्व कोच लालचंद राजपूत का मानना है कि गौतम गंभीर भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए सही उम्मीदवार हैं क्योंकि वह एक चतुर रणनीतिकार के साथ ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिसने दो बार विश्व कप का खिताब जीता है। गंभीर ने आधिकारिक तौर पर भारत के कोच पद के लिए आवेदन किया है या नहीं इस बारे में पुष्ट जानकारी नहीं है लेकिन यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ की जगह ले सकते हैं। भारत के मुख्य कोच के पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 27 मई को समाप्त हो गई है। भारतीय टीम ने राजपूत के कोच रहते 2007 में टी20 विश्व कप जीता था। उन्होंने कहा, ''गंभीर पूरी तरह से काम के प्रति समर्पित रहते हैं। उन्होंने कड़ी मेहनत से क्रिकेट खेला है और वह खेल को अच्छी तरह से समझते है। यह केकेआर के लिए भी देखा गया है।'' राजपूत ने केकेआर की सफलता का जिक्र करते हुए कहा, ''केकेआर पिछले साल भी यही टीम थी। इस साल टीम में आये बदलाव को आप महसूस कर सकते है। गंभीर एक चतुर राण्नीतिज्ञ भी हैं।''

लोकसभा चुनाव

अखिलेश की कमान में सपा की उप्र में चमत्कारिक वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव की कमान में चमत्कारिक वापसी कर राजनीतिक पंडितों को हैरान कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और भाजपा द्वारा राम मंदिर निर्माण का श्रेय जोरशोर से लेने के बावजूद समाजवादी पार्टी का शानदार चुनावी प्रदर्शन जमीनी स्तर पर अखिलेश की लोकप्रियता और उनकी राजनीतिक सूझबूझ को दर्शाता है। आम चुनाव के अबतक के रुझानों में सपा 38 लोकसभा क्षेत्रों में बढ़त बनाए हुए है जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 31 सीट पर आगे है। यह रुझान भाजपा के लिए करारा झटका है। पार्टी ने उस प्रदेश की सभी 80 सीट जीतने का दावा किया था जहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सांसद हैं।

सपा ने मायावती नीत बसपा के साथ गठबंधन में पिछला चुनाव लड़ा था और पांच सीट जीती थी, लेकिन इस बार अखिलेश की पार्टी ने प्रदेश में भाजपा को करारा झटका दिया है, जिसने 2019 में 62 सीट जीती थीं। एक जुलाई 1973 को जन्मे अखिलेश यादव ने राजनीतिक रूप से इस महत्वपूर्ण राज्य में विपक्ष के अभियान का नेतृत्व किया। उनकी पार्टी ने विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के तहत 62 सीट पर चुनाव लड़ा और शेष सीट कांग्रेस तथा अन्य दलों के लिए छोड़ दीं। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद यह पहला आम चुनाव था और अखिलेश ने निराश नहीं किया और उनके नेतृत्व में पार्टी साल 2004 से भी बेहतर प्रदर्शन करने की ओर अग्रसर है। 2004 के चुनाव में सपा ने 36 सीट जीती थी। प्रचार के दौरान मोदी अक्सर अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'दो लड़कों की जोड़ी' बताकर तंज कसते थे। ऐसा लगता है कि अखिलेश के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फार्मूले ने पार्टी के लिए काम किया। भाजपा ने प्रचार के दौरान अयोध्या स्थित राम मंदिर के मुद्दे को जोरशोर से उठाया, बावजूद इसके सपा फैजाबाद लोकसभा सीट पर भी भाजपा से आगे है। इस सीट में अयोध्या का क्षेत्र शामिल है । 'इंडिया' गठबंधन की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस को प्रदेश में भदोही लोकसभा सीट दी गई। अखिलेश ने अपने भाषणों में भाजपा की मनमानी को उजागर करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झामुमो नेता हेमंत सोरेन को जेल भेजने की निंदा की।

तेदेपा को कांग्रेस का परोक्ष न्योताः कहा, आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा 'हमारी गारंटी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) को अपने साथ आने का परोक्ष रूप से न्योता देते हुए मंगलवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने के अधूरे काम को पूरा करेगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश कहा कि विशेष राज्य का दर्जा कांग्रेस की 'गारंटी' है। कांग्रेस नेता ने पोस्ट किया, '' 'इंडिया' 2014 का अधूरा काम पूरा करेगा। 14 फरवरी 2014 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने नए राज्य आंध्र प्रदेश को 5 वर्षों के लिए विशेष श्रेणी का दर्जा देने का वादा किया था। वहीं, भाजपा नेता वेंकैया नायडू ने कहा था कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो इसे 10 साल के लिए बढ़ाएगी। दो महीने बाद मोदी ने भी वादा दोहराया।'' उन्होंने दावा किया, ''पिछले 10 वर्षों में निवर्तमान मोदी सरकार ने कुछ नहीं किया। वास्तव में इसने आर्थिक रूप से संकटग्रस्त राज्यों को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की नीति को ही समाप्त कर दिया।'' रमेश ने कहा, ''कांग्रेस ने 2024 के चुनाव घोषणापत्र में मनमोहन सिंह के वादे के अनुसार आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा घोषित करने का वादा किया है। यह हमारी गारंटी है।'' कांग्रेस का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जबकि खबरें हैं कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की ओर से तेदेपा से संपर्क करने का प्रयास किया गया है।

नीतीश, नायडू राजग का साथ छोड़ सकते हैं, 'इंडिया' गठबंधन को सरकार बनाने में मदद करें : राजद

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल ने मंगलवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ''प्रतिशोध की राजनीति को नापसंद करते हैं'' जो उन्हें भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से दूर सकती है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य मनोज कुमार झा ने जनता दल (यू) के प्रमुख कुमार के इस बयान को याद किया कि ''जो लोग 2014 में सत्ता में आए उन्हें 2024 में सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा।'' कुमार ने राजग में शामिल होने के पूर्व विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

झा ने कहा, ''हम पहले भी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू दोनों के साथ गठबंधन में रहे हैं। हम जानते हैं कि वे भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति को नापसंद करते हैं। लगता है नरेन्द्र मोदी की विदाई तय है। हमें उम्मीद है कि दोनों नेता केंद्र में सत्ता परिवर्तन में अहम भूमिका निभाएंगे।'' यह पूछे जाने पर कि क्या राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और पार्टी नेता तेजस्वी यादव सहित उनकी पार्टी के अन्य नेता कुमार के संपर्क में हैं, झा ने सीधा जवाब न देते हुए कहा, ''जिन्हें उनसे संपर्क करने की जरूरत है वे उनसे बात कर रहे हैं। हमारे नेता तेजस्वी यादव पिछले कुछ समय से कह रहे हैं कि नीतीश कुमार चार जून के बाद कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।'' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया, ''मैं नीतीश कुमार या चंद्रबाबू नायडू से कोई अपील नहीं कर रहा हूं। उनके स्वभाव के बारे में मुझे जो समझ है, उसे देखते हुए मैं केवल अपनी आशा व्यक्त कर रहा हूं।'' कुमार की पार्टी जद(यू) ने लोकसभा चुनाव में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन रेड्डी ने हार मानी, कहाः बेजुबानों की आवाज' बनेगी उनकी पार्टी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि 'बिना किसी भ्रष्टाचार' के कई कल्याणकारी कार्यक्रम चलाने के बावजूद विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस की हार के कारणों को वह समझ पाने में विफल हैं। जगन ने मीडिया से कहा कि पार्टी यहां से उठकर आगे बढ़ेगी तथा लोगों के भले के लिए उनके साथ जुड़ेगी।

वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख (जगन) ने पुलिवेंडुला विधानसभा सीट से 61,000 से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीता है। उन्होंने कहा, ''मैं चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हूं। जो लोग (दल) सरकार बनाने के लिए (सत्ता में) आये हैं, उन सभी को शुभकामनाएं।'' वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने कहा, '' वाईएसआर कांग्रेस पार्टी बेजुबानों की आवाज के रूप में काम करेगी।'' उन्होंने तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, जनसेना प्रमुख पवन कल्याण एवं भाजपा को उनकी शानदार जीत के लिए बधाई दी।

भाजपा महंगाई, बेरोजगारी जैसे प्रमुख मुद्दों का समाधान करने में विफल रही : हुड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कहा कि किसानों की समस्याएं, अग्निपथ, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और महंगाई ऐसे प्रमुख मुद्दे हैं, जिनका समाधान करने में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विफल रही है।

हरियाणा में कांग्रेस द्वारा पांच लोकसभा सीट जीतने की संभावना के बीच हुड्डा ने कहा कि वह कहते रहे हैं कि ''कांग्रेस के पक्ष में लहर चल रही है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''आपने मुझसे 'एग्जिट पोल' में भाजपा को ज्यादातर सीट मिलने के अनुमान के बारे में पूछा था, जिस पर मैंने कहा था कि चार जून को आने वाले चुनाव नतीजों का इंतजार कीजिए। हरियाणा ''जय जवान, जय किसान, जय पहलवान'' के लिए जाना जाता है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन उन्होंने (भाजपा ने) क्या किया? वे अग्निवीर (अग्निपथ योजना) लेकर आए, जिसका युवाओं ने विरोध किया। उन्होंने किसानों के मुद्दों का समाधान नहीं किया। सभी जानते हैं कि हमारी पहलवान बेटियों के साथ क्या व्यवहार किया गया, जिन्हें दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करना पड़ा।''

हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा राज में प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ी है तो वहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन का असर विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा। हरियाणा में विधानसभा चुनाव अक्टूबर में प्रस्तावित हैं। हुड्डा ने दावा किया, ''यह स्पष्ट संकेत है कि हरियाणा की जनता ने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में लाने का मन बना लिया है।'' लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए हुड्डा ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस को समर्थन दिया है। कांग्रेस नेता ने अपने हालिया बयान को दोहराते हुए कहा कि भाजपा ''दक्षिण में खत्म हो जाएगी और उत्तर में आधी रह जाएगी''।

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के लिए बालाजी को अपना जोड़ीदार चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने फ्रेंच ओपन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले एन श्रीराम बालाजी को पेरिस ओलंपिक के लिए अपना जोड़ीदार चुना है और अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के इस अनुभवी खिलाड़ी की पसंद पर आपत्ति जताने की संभावना नहीं है। बोपन्ना ने एआईटीए को ईमेल लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। इस ईमेल को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) को भी भेजा गया है। एआईटीए ने भी इसकी पुष्टि की है।

बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार एमए रेयेस-वारेला मार्टिनेज को सोमवार को फ्रेंच ओपन के पुरुष युगल के तीसरे दौर में बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन को कड़ी चुनौती देने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। बालाजी ने अच्छी सर्विस करने के अलावा बेसलाइन और नेट पर अपने खेल से प्रभावित किया जिसके बाद बोपन्ना ने फैसला किया कि वह अगले महीने ओलंपिक पदक जीतने के अपने अंतिम अभियान के दौरान जब रोलां गैरो पर लौटेंगे तो कोयंबटूर का यह खिलाड़ी उनका जोड़ीदार होगा। बोपन्ना रियो खेलों के दौरान ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंचे थे लेकिन उनकी और सानिया मिर्जा की जोड़ी को मिश्रित युगल के कांस्य पदक के मुकाबले में राडेक स्टेपनेक और लूसी हरादेका की चेक गणराज्य की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा के लिये सबक : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से लगातार चौथी बार जीत हासिल करने वाले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणाम भाजपा के लिए एक सबक है कि जब वह सांप्रदायिकता के बजाय विकास जैसे अन्य रास्तों पर चलती है तो उसका बेहतर प्रदर्शन होता है। थरूर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के राजीव चंद्रशेखर को 16,077 मतों से शिकस्त दी।

थरूर ने कहा कि चुनाव परिणाम मतदाताओं द्वारा भाजपा को दिया गया एक गंभीर संदेश है कि उनकी शासन प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, ...मुझे हमेशा लगता था कि भाजपा केरल में हद पार कर रही है, क्योंकि उनके संदेशों में सांप्रदायिकता समाहित है। जब वे दूसरे रास्तों पर चलते हैं तो बेहतर प्रदर्शन करते हैं। चाहे वह विकास का रास्ता हो, जिसका राजीव चंद्रशेखर ने यहां समर्थन किया हो या अल्पसंख्यकों तक जागरूकता से पहुंचने का सुरेश गोपी द्वारा किया गया प्रयास। उन्होंने कहा, जब आप उत्तर भारतीय भाजपा के पारंपरिक स्वरूप से आगे बढ़ते हैं, तभी आप केरल के मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। और यह चयन की एक बहुत ही स्पष्ट प्रवृत्ति है। थरूर ने आगे कहा कि यह हमेशा से स्पष्ट था कि भाजपा के लिए 400 का आंकड़ा पार करना असंभव था, 300 तक पहुंचना बहुत कठिन था और 200 तक पहुंचना एक चुनौती होगी।

विपक्ष का दुष्प्रचार, उम्मीदवारों की देरी से घोषणा ने शिवसेना, सहयोगियों को नुकसान पहुंचाया : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा संविधान को बदलने से संबंधित विपक्ष का दुष्प्रचार और उम्मीदवारों की घोषणा में देरी ने शिवसेना और उसके सहयोगियों को कुछ सीट पर नुकसान पहुंचाया।

शिंदे ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष की वोटबैंक की राजनीति ने राजग के प्रदर्शन को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, ''विपक्षी दलों ने निरंतर संविधान को बदलने का दुष्प्रचार किया। हम मतदाताओं में संदेह को दूर करने में विफल रहे। वोटबैंक की राजनीति के कारण भी हमें नुकसान हुआ।'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कुछ सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा में देरी से भी कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में नुकसान हुआ। शिंदे नासिक लोकसभा सीट का जिक्र कर रहे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विरोध के बावजूद शिवसेना ने हेमंत गोडसे को मैदान में उतारा था। गोडसे, शिवसेना-उद्धव बालासाहेबा ठाकरे (यूबीटी) के उम्मीदवार से पीछे चल रहे हैं। शिंदे ने हिंगोली और यवतमाल-वाशिम निर्वाचन क्षेत्रों से अपने मौजूदा सांसदों को भी बदल दिया था और पार्टी के दोनों उम्मीदवार इन सीट पर पीछे चल रहे हैं।

रुपये पर पड़ी चुनावी नतीजों की मार, 45 पैसे टूटकर 83.59 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लोकसभा चुनाव में अपने दम पर बहुमत मिलने की संभावना कम होने से मंगलवार को शेयर बाजार में मचे हाहाकार के बीच रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 45 पैसे की भारी गिरावट के साथ 83.59 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर लुढ़क गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से निराशा और बढ़ गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 83.25 पर कमजोरी के साथ खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 83.23 के ऊपरी और 83.59 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। कारोबार के अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.59 के भाव (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की बड़ी गिरावट है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.14 पर बंद हुआ था। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों की मंगलवार को हुई मतगणना में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए परिणाम उतने उत्साहजनक नहीं रहे हैं।

नई सरकार को विरासत में मिलेगी मजबूत अर्थव्यवस्था, विकसित देश बनाने पर होगा जोर : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में बनने वाली नई सरकार को विरासत में मजबूत अर्थव्यवस्था मिलेगी। रिकॉर्ड आर्थिक वृद्धि दर के साथ मजबूत कर राजस्व, डिजिटल और वित्तीय बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार तथा मजबूत विनिर्माण क्षेत्र नई सरकार को अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए आधार देगा और ये चीजें देश को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बना सकती हैं। विशेषज्ञों ने यह बात कही।

हालांकि, नई सरकार को बेरोजगारी जैसी समस्याओं से भी निपटना होगा। इन मुद्दों ने उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में मतदान प्रतिरूप में प्रमुख भूमिका निभाई है। साथ ही मुद्रास्फीति को भी नियंत्रण में रखने की चुनौती होगी। भाजपा सहित किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में बड़े स्तर पर निजीकरण और श्रम कानून में बदलाव जैसे सुधार फिलहाल ठंडे बस्ते में जा सकते हैं। उपलब्ध रुझानों के अनुसार, भाजपा को 543 सदस्यीय लोकसभा में लगभग 240 सीटें जीतने की संभावना है। अगली सरकार बनाने के लिए उसे चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) और जनता दल (यूनाइटेड) जैसे सहयोगियों पर निर्भर रहना होगा।

नई सरकार को 2023-24 में दर्ज की गई 8.2 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी और अगले कुछ साल में भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सुधारों को आगे बढ़ाना होगा। नीति विशेषज्ञ इस बात पर एकमत हैं कि सरकार बुनियादी ढांचे की अगुवाई में वृद्धि, निवेशक-अनुकूल नीतियों, सुधारों को आगे बढ़ाने और कारोबार सुगमता पर अपना ध्यान देना जारी रख सकती है।

साख तय करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत में ऐतिहासिक रूप से प्रमुख आर्थिक नीतियों पर राष्ट्रीय सहमति रही और देश उच्च वृद्धि के रास्ते पर रहा है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के विश्लेषक यीफार्न फुआ ने कहा, ''कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन दल आने वाली सरकार बनाता है। वृद्धि को गति देने वाली नीतियां, निरंतर बुनियादी ढांचा निवेश, राजकोषीय घाटे को कम करने का अभियान - इन चीजों ने बहुत अच्छे परिणाम दिये हैं। हमारा मानना है कि कोई भी सत्ता संभाले, आने वाले वर्षों में भी ये सब जारी रहेगा।''

सुविचार

यह सोच कर दुखी ना हो कि लोग आपको नहीं समझते, क्योंकि तराजू से से वजन को मापा जा सकता है, गुणवत्ता को नहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजग के समक्ष चुनौतियां

लोकसभा चुनाव के नतीजों ने फिर एक बार यह साबित कर दिया कि राजनीति के धुरंधर हों या एग्जिट पोल के 'विशेषज्ञ', जनता के मन की थाह पाना बहुत मुश्किल है। भाजपा नेतृत्व '400 पार' नारे के साथ प्रचार कर रहा था, वहीं ज्यादातर एग्जिट पोल इस दल को पूर्ण बहुमत मिलने के साथ राजग की सत्ता में वापसी की भविष्यवाणी कर रहे थे। ऐसे नतीजों की शायद ही किसी ने कल्पना की होगी। अगर भाजपा अपने बूते 272 का आंकड़ा पार कर लेती तो वह कुछ मजबूत स्थिति में होती। यह तर्क दिया जा सकता था कि दस साल में सत्ताविरोधी लहर का थोड़ा असर हुआ, लेकिन जनता ने बहुमत तो दे दिया! अब जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कह दिया है कि राजग की सरकार बनेगी, तो स्पष्ट है कि सहयोगी दलों पर निर्भरता भी होगी। चुनाव नतीजे आने के बाद हर कहीं यही सवाल चर्चा में है कि केंद्रीय नेतृत्व के इतने प्रचार के बावजूद भाजपा क्यों पिछड़ी? इस दल ने ऐसी कई सीटें गंवा दीं, जिन पर 'कमल' खिलने की प्रबल संभावना थी। प्रधानमंत्री मोदी की सीट वाराणसी में जीत का अंतर 1.52 लाख वोट रहा। माना तो यह जा रहा था कि इस बार वे इससे कम से कम दुगुने या तिगुने वोटों के अंतर से जीतेंगे। प्रधानमंत्री की रैलियों में भीड़ खूब उमड़ रही थी। वे सोशल मीडिया पर छाए हुए थे। उनके पास गिनाने के लिए कई उपलब्धियां थीं। फिर भी भाजपा ने ऐसी कई सीटें गंवा दीं, जिन पर उसकी जीत तय मानी जा रही थी! क्या जिन दलों ने भाजपा के साथ चुनाव-पूर्व गठबंधन किया, वे आगे भी एकजुट रहेंगे या 'परिस्थितियों' के आधार पर पाला बदलने में दिलचस्पी दिखाएंगे? सरकार चलाने के लिए मोदी का अपना मिज़ाज है, अपनी कार्यशैली है। फिर चाहे वह नोटबंदी हो, सर्जिकल स्ट्राइक व एयरस्ट्राइक हो, अनुच्छेद 370 को हटाने का फैसला हो ... उन्होंने जो ठाना, वह कर दिखाया, क्योंकि उनके पास अपने बूते पूर्ण बहुमत था।

अब भाजपा के पास वैसा प्रचंड बहुमत नहीं है, तो उसकी नई सरकार के सामने उस तरह के 'कठोर' फैसले लेने में बाधा आ सकती है। गठबंधन सरकारों की अपनी मजबूरियां होती हैं। उनके घटक दल समय-समय पर यह जाहिर करते रहते हैं कि हमारे बगैर न कोई सरकार बन सकती है और न चल सकती है। घटक दलों का अपना वोटबैंक होता है। अगर उन दलों को लगेगा कि सरकार का कोई फैसला उनके वोटबैंक को रुष्ट कर सकता है तो वे अपने तेवर दिखाने से पीछे नहीं हटेंगे। ऐसे में क्या नई सरकार समान नागरिक संहिता की ओर कदम बढ़ाएगी? क्या बांग्लादेश, म्यांमार जैसे देशों से होने वाली घुसपैठ को नियंत्रित करने के लिए कोई कठोर कार्रवाई होगी? क्या 'एक देश, एक चुनाव' का नारा बौद्धिक चर्चाओं तक ही सीमित रहेगा या उसे क्रियान्वित किया जाएगा? मुद्दे और भी हैं, जो सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। क्या नई सरकार सुधारों की ओर दृढ़ता से कदम उठा सकेगी? इन चुनाव नतीजों को देखकर साल 2004 के नतीजों की यादें ताजा हो जाती हैं, जब भाजपा 'इंडिया शाइनिंग' का नारा लगा रही थी और एग्जिट पोल्स में उसकी धमाकेदार वापसी के पूर्वानुमान लगाए जा रहे थे। नतीजे उसके ठीक उलट आए थे। हालांकि साल 2024 के नतीजे वैसे नहीं हैं, लेकिन भाजपा के लिए खास उत्साहजनक भी नहीं हैं। वह सबसे बड़ा दल बनकर जरूर उभरी है। अगर सहयोगी दल उसके साथ दृढ़ता से बने रहे तो सरकार जनकल्याण से जुड़े महत्त्वपूर्ण फैसले ले सकेगी और कार्यकाल पूरा करेगी। अब भाजपा नेतृत्व को उन कारणों का पता लगाना चाहिए, जो उसके 'विजयरथ' के मार्ग में बाधक रहे। कई जगहों पर कम मतदान प्रतिशत भी एक कारण हो सकता है। वहां मतदाताओं ने वोट डालने में खास उत्साह नहीं दिखाया। भाजपा के कई नेताओं व कार्यकर्ताओं को अति-आत्मविश्वास हो गया था कि मोदी के नाम पर उनकी नैया पार हो ही जाएगी। वे सोशल मीडिया पर खूब जोश दिखाते रहे। लोगों के बीच उनकी मौजूदगी कम रही। मोदी अकेले सब जगह आपको जीत नहीं दिला सकते। भाजपा को अपना संगठन धरातल पर मजबूत करना होगा। उसने ओडिशा में पूरे जोश के साथ लड़ाई लड़ी, जिसका नतीजा शानदार आया है।

ट्वीटर टॉक

समस्त मंडीवासियों का इस जनाधार, इस प्यार और विश्वास के लिए दिल से आभार। ये जीत आप सभी की है, ये जीत है प्रधानमंत्री मोदी जी और भाजपा पर विश्वास की, ये जीत है सनातन की, ये जीत है मंडी के सम्मान की।

-कंगना रानौत

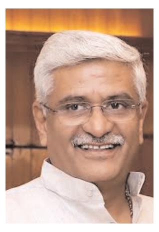

आज संध्याकाल में जोधपुर मेहरानगढ़ फोर्ट के प्रसिद्ध मां चामुंडा मंदिर में धर्मपत्नी श्रीमती नोनद कंवर जी और बिटिया सुहासिनी के साथ दर्शन का पुण्य प्राप्त किया। संध्या आरती में सम्मिलित हुआ तथा ज्योत के दर्शन किए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

लोकसभा चुनाव-2024 में राजस्थान से विजयी हुए कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं। अपार आशीर्वाद प्रदान करने वाली जनता-जनार्दन का आभार एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

ममत्व की पहचान

एक बार राजा के महल में एक व्यापारी दो गायों को लेकर आया। दोनों ही स्वस्थ, सुंदर व दिखने में लगभग एक जैसी थीं। व्यापारी ने राजा से कहा, 'महाराज! ये दोनों गायें मां-बेटी हैं, परन्तु मुझे यह नहीं पता है कि दोनों में मां कौन है और बेटी कौन है। मैं इसलिए नहीं जान पाया क्योंकि दोनों में कोई विशेष अंतर नहीं है। मैंने अनेक स्थानों पर लोगों से यह पूछा किंतु कोई भी इन दोनों में मां-बेटी की पहचान नहीं कर पाया। बाद में मुझसे किसी ने यह बताया है कि आपका बुजुर्ग मंत्री बेहद कुशाग्र बुद्धि का है और यहां पर मुझे अवश्य मेरे प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा। इसलिए मैं यहां पर चला आया। कृपया मेरी समस्या का समाधान किया जाए!' यह सुनकर सभी दरबारी मंत्री की ओर देखने लगे। मंत्री अपने स्थान से उठकर गायों की ओर गया। उसने दोनों का गहराई से निरीक्षण किया किंतु वह भी नहीं पहचान पाया कि वास्तव में कौन मां है और कौन बेटी है। अब मंत्री बड़ी दुविधा में फंस गया। उसने राजा से मां-बेटी की पहचान करने के लिए एक दिन की मोहलत मांगी। घर आने पर वह बेहद परेशान रहा। उसकी पत्नी उसकी परेशानी को समझ गई।

सामयिक

पर्यावरण के बड़े खतरों के लिए कोशिशें भी बड़ी हों

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं।

ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी। सऊदी अरब 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेज़बानी करेगा, जिसका थीम होगी 'हमारी भूमि, हमारा भविष्य।' यह थीम भूमि और इकोसिस्टम को बहाल करने, जैव विविधता की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास पर जोर देती है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता।' मानवता भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। इस वर्ष का विषय का फोकस 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव अब साफतौर पर दिखने लगा है। देखा जा सकता है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। असंतुलित पर्यावरण विनाश का कारण बन रहा है। आजकल जब उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से रेकार्ड गर्मी से तप रहे हैं तब पश्चिम बंगाल और केरल में भयानक बारिश हो रही है। इस तरह एक साथ इतनी तेज बारिश से नुकसान होता है। बढ़ते शहरीकरण विकास योजनाओं और जिंदगी से जुड़े हर क्षेत्र में पानी की जरूरतें बढ़ रही है। दूसरी तरफ पानी के कुदरती स्रोत कम होते जा रहे हैं। हमें पानी के इस्तेमाल के तौर-तरीकों में तुरंत बदलाव करते हुए संयम बरतने की जरूरत है। खेती में पानी के इस्तेमाल, पानी को इकठ्ठा करने और उन्हें भूगर्भीय स्रोतों तक पहुंचाने के तौर-तरीकों और पानी के आम इस्तेमाल को बदलना होगा। नई सरकार को इस पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि पानी की उपलब्धता के सारे समीकरण बदल गए हैं।

तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी। यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बढ़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। देश-दुनिया में गर्मी के नए रेकार्ड बनेंगे। इन दिनों कई शहरों का तापमान रेकार्ड तोड़ चुका है। इससे दिहाड़ी मजदूर, किसान और मेहनतकश लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में पानी की कमी हो रही है तो सूखी जगहों पर बेतहाशा बारिश। इन घटनाओं की वजह को समझना होगा, उसे गंभीरता से लेना होगा। नई बनने वाली सरकार को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देना होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कई समस्याएं मानव निर्मित भी है। माना कि बादल फटने, जंगलों में आग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन अपेक्षाकृत नए माने जाने वाले हिमालय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में नए बांध और सड़क बनाए जाने से होने वाले नुकसान ज्यादा सामने आ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन ऐसा मसला है जिसमें पर्यावरण से होने वाला खतरा किसी देश की सीमा या उसकी हैसियत नहीं देखता। सबको बराबर नुकसान होता है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना जरूरी है। कई बिंदुओं पर दुनिया पीछे जा रही हैं। दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से भी सारे समीकरण बदल गये हैं। पहले कोविड ने नुकसान पहुंचाया, उसके बाद रूस-युक्रेन युद्ध और इस्राइल-गाजा का मामला चल रहा है। युद्धों का पर्यावरण पर सबसे घातक असर पड़ता है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बनते हैं। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है।

बदलते मौसम का ग्लेशियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सदियों से ग्लेशियर पिघलकर नदियों के रूप में लोगों को जीवन देते रहे हैं। लेकिन पिछले दो-तीन दशकों में पर्यावरण के बढ़ रहे दुष्परिणामों के कारण इनके पिघलने की गति में जो तेजी आई है, वह चिंताजनक है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के कई हिस्सों एवं महानगरों-नगरों के डूबने की आशंका तेजी से बढ़ चुकी है। ये स्थितियां भारत में हिमालय के ग्लेशियर के पिघलने से एक बड़े संकट का कारण बन रही है। हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों में जंगलों में आग की जो घटनाएं घटीं, वे ग्लेशियरों के लिए नया खतरा हैं। वनों में आग तो पहले भी लगती रही हैं, पर ऐसी भयानक आग काफी खतरनाक है। ग्रीन हाउस गैसों के असर से पूरी दुनिया के साथ ही हिमालय भी गरम हुआ है। हाल में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि उत्तर पश्चिमी हिमलाय के औसत तापमान में पिछले दो दशक में 2.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। यह आंकड़ा उसके पहले के सौ साल में हुई बढ़ोतरी से कहीं ज्यादा है। भारत समेत पूरे विश्व में प्रदूषण तेजी से फैल रहा है। बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति खतरे में हैं। प्रकृति जीवन जीने के लिए किसी भी जीव को हर जरूरी चीज उपलब्ध कराती है। ऐसे में अगर प्रकृति प्रभावित होगी तो जीवन प्रभावित होगा। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने एवं संतुलित मौसम चक्र को कायम करने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

विशेष

पर्यावरण रक्षा की प्रेरणा देते तीर्थंकर कैवल्य-वृक्ष

डॉ. दिलीप धींग
दूरभाष : 9414472720

जैन दर्शन में प्रकृति और पर्यावरण की अतिशय महिमा बताई गई है। इसका एक प्रबल प्रमाण यह है कि सभी जैन तीर्थंकर किसी न किसी वृक्ष के नीचे दीक्षा लेते हैं। सघन वन में निर्भय होकर तप और ध्यान की साधना करते हैं। साधना परिपूर्ण होने पर उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति भी प्राकृतिक परिवेश में किसी न किसी वृक्ष के नीचे होती है। ध्यान व तप की उत्कृष्ट साधना के साथ जिन वृक्षों के नीचे तीर्थंकरों को केवलज्ञान उपलब्ध हुआ, उन वृक्षों के नाम प्राचीन जैन ग्रंथों में मिलते हैं। भगवान श्री ऋषभदेवजी - वटवृक्ष (बरगद), भगवान श्री अजितनाथ जी - सप्तपर्ण, भगवान श्री संभवनाथजी - साल (शालवृक्ष), भगवान श्री अभिनंदन स्वामीजी - असन या बीजक (कहीं चीड़वृक्ष का उल्लेख), भगवान श्री सुमतिनाथजी - प्रियंगु वृक्ष, भगवान श्री पद्मप्रभुजी - प्रियंगु वृक्ष, भगवान श्री सुपार्श्वनाथजी - शिरीष वृक्ष, भगवान श्री चन्द्रप्रभजी - नागवृक्ष (नागपुष्प या नागकेशर का पेड़), भगवान श्री सुविधिनाथजी - अक्ष या बहेड़ी (कहीं नागवृक्ष का उल्लेख), भगवान श्री शीतलनाथजी - पलाश (कहीं बेलवृक्ष का उल्लेख), भगवान श्री श्रेयांसनाथजी - तेन्दू वृक्ष (कहीं तुम्बरु का उल्लेख), भगवान श्री वासुपूज्य जी - पाटल वृक्ष (कहीं कदम्ब का उल्लेख), भगवान श्री विमलनाथजी - जम्बू वृक्ष (जामुन का पेड़), भगवान श्री अनन्तनाथजी - अश्वत्थ (पीपल), भगवान श्री धर्मनाथजी - सप्तपर्ण, भगवान श्री शान्तिनाथजी - नन्दीवृक्ष (तगर), भगवान श्री कुन्थुनाथजी - तिलक वृक्ष, भगवान श्री अरनाथजी - आम्र वृक्ष (आम का पेड़), भगवान श्री मल्लिनाथजी - अशोक वृक्ष, भगवान श्री मुनिसुव्रतजी - चम्पक (चम्पावृक्ष), भगवान श्री नमिनाथजी - बकुल वृक्ष, भगवान श्री अरिष्टनेमीजी - मेषशृंग, मेढ़ासिंगी (बांसवृक्ष), भगवान श्री पार्श्वनाथजी - देवदार या देवदारू, भगवान श्री महावीर स्वामीजी - साल (शालवृक्ष या शाल्मलि)।

कुछ तीर्थंकरों के कैवल्य-वृक्ष के नाम अलग-अलग ग्रंथों में कुछ भिन्नता लिये हुए भी हैं। वस्तुतः तीर्थंकरों की दीक्षा, साधना, सर्वोच्च केवलज्ञान की प्राप्ति, देशना, विहार, प्रवास, समवसरण आदि सभी निमित्तों के साथ वृक्ष, उपवन, वन, वनस्पति, वन्य-जीव, अन्य जीव, पशु-पक्षी, नदी, सरोवर, पर्वत, गुफा आदि के प्रचुर उल्लेख मिलते हैं। ये उल्लेख पर्यावरण और आत्म-साधना के अभिन्न सम्बन्ध को दर्शाते हैं। स्पष्ट है कि अध्यात्म की ऊँचाइयाँ और गहराइयाँ पाने के लिए कोई वातानुकूलित कक्ष नहीं, अपितु नैसर्गिक परिवेश अधिक उपयुक्त होता है। एसी रूम या एसी हॉल में खर्चीले ध्यान करवाने वाले, ध्यान जैसी पवित्र साधना की दुकान चलाने वाले आधुनिक साधुओं, बाबाओं और पंडितों को इस तथ्य पर ध्यान देना चाहिये। अध्यात्म की साधना में प्रगति और आत्मशुद्धि के लिए अच्छा पर्यावरण, प्राकृतिक जीवन आवश्यक है।

तीर्थंकरों के कैवल्य वृक्ष के आधार पर जैन समाज में कुछ स्थानों पर केवलज्ञान वृक्ष वाटिकाएं भी विकसित की गई हैं। जलगाँव (महाराष्ट्र) स्थित अहिंसा तीर्थ' परिसर में एवं जैन पर्वत' पर 24 तीर्थंकर केवलज्ञान वृक्ष वाटिकाएँ हैं। उदयपुर (राजस्थान) में गुलाबबाग स्थित! 'अरिहंत वाटिका' तथा देबारी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में 'कैवल्य वाटिका' है। आजकल नई पीढ़ी अनेक वृक्षों के नाम से भी अपरिचित है। ऐसे में यदि किसी स्थान पर विभिन्न वृक्ष देखने को मिले, उनकी छांव और हवा मिले तो यह प्रकृति से जुड़ने का अद्भुत व आनंददायक माध्यम हो सकता है। देश में कई स्थानों पर कैवल्य वृक्ष उपवन लगाए जाने के प्रयत्न हो रहे हैं। इस प्रकार के उद्यानों का विकास करके पर्यावरण, संस्कृति और अध्यात्म के त्रिभुज बनाए जा सकते हैं। किसी भी नाम से अहिंसा की प्रतिष्ठा और पर्यावरण की रक्षा के कार्य को ईमानदारी से आगे बढ़ाना समय की आवश्यकता है और मांग भी।

नजरिया

बढ़ती मानवीय सुविधा जलवायु परिवर्तन का कारण

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

ग्लोबल वार्मिंग आज पूरी दुनिया में सजीवों के लिए सबसे ज्वलंत मुद्दा है, आधुनिकता ने ग्लोबल वार्मिंग की समस्या को सबसे बड़े अभिशाप के रूप में बढ़ा दिया है। आज गर्मी के मौसम में बारिश हो रही है, बरसात के मौसम में गर्मी है, ठंड के मौसम में बारिश हो रही है। जिसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, घातक बीमारियों का साम्राज्य चरम पर पहुंच रहा है, असामयिक मौतों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है, मौसम बिगड़ने का दूसरा सबसे बड़ा असर फसलों पर पड़ता है, ऊपर से कभी बाढ़ तो कभी अकाल की स्थिति पैदा हो जाती है। मंडियों में पर्याप्त अनाज भंडारण न होने के कारण हर साल लाखों टन अनाज बर्बाद हो जाता है, जिसका नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है, शहरों में विकास के नाम पर पेड़ काटे जा रहे हैं और बचे-खुचे पेड़ भी जरा सी हवा में उखड़ जाते हैं, क्योंकि पेड़ों की जड़ों को पनपने के लिए पर्याप्त मिट्टी नहीं है, हर जगह सीमेंट का जंगल उग रहा है।

मनुष्य से अधिक संख्या में वाहन एवं यांत्रिक संसाधन बढ़ रहे हैं। मिलावट, खेती में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग, प्रदूषण, शोर, बढ़ता कचरा और इसके उचित प्रबंधन की कमी, घटते जंगल, औद्योगिक क्षेत्रों द्वारा नियमों की अवहेलना और लोगों की लापरवाही ने जलवायु चक्र को बाधित कर दिया है। सबसे ज्यादा परेशानी किसानों और गरीब तबके को हो रही है, इससे आर्थिक असमानता की खाई बढ़ती जा रही है। आज के लोग इस बात पर

गहराई से विचार नहीं करते कि थोड़ी सी लापरवाही से बिगड़ते जलवायु चक्र का खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को कितना भुगतना पड़ेगा। पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक पशु-पक्षी का विशेष योगदान है। पृथ्वी पर मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है।

वैश्विक जलवायु जोखिम सूचकांक 2021 में जलवायु जोखिमों की घटनाओं और संवेदनशीलता के मामले में भारत सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में सातवें स्थान पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2030 से 2050 के बीच, जलवायु परिवर्तन के कारण हर साल कुपोषण, मलेरिया, दस्त और गर्मी के तनाव से अनुमानित ढाई लाख अतिरिक्त मौतें होने की आशंका है। बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र के स्तर में वृद्धि से तटीय कटाव, भूस्खलन, तूफान, बाढ़ और गर्मी की लहरें जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। पिछले कुछ समय से मौसम के बदलते मिजाज के कारण देश का सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इससे पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि उपज कम हो गई है और मलेरिया, डेंगू, हैजा, हीट स्ट्रोक, श्वसन संक्रमण और मानसिक तनाव जैसी बीमारियाँ बढ़ गई हैं। पिछले दशक में बाढ़ से देश को 3 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है, जो वैश्विक आर्थिक नुकसान का 107है, और गर्मी के तनाव से संबंधित उत्पादकता में गिरावट के कारण भारत 2030 तक 3.4 मिलियन नौकरियां खो देगा। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, भारत की प्राथमिक ऊर्जा मांग 2030 तक दोगुनी हो जाएगी।

देश में हर साल गर्मी के मौसम में लू के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। वर्तमान समय में गर्मी के मौसम में सूरज आग उगल रहा है। दिल्ली में तापमान 52 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। फिलहाल महाराष्ट्र के नागपुर शहर में लू के कारण दो दिनों में 10 लोगों की जान चली गई है। अगर ये एक शहर की तस्वीर है तो पूरे देश में गर्मी के असर से हालात कितने भयावह हो सकते है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट ने अपनी रिपोर्ट में देश के प्रमुख महानगरों में बढ़ते तापमान का विश्लेषण किया और कहा कि लगातार कांक्रीटीकरण के कारण गर्मी बढ़ रही है और हालात इतने खराब हो गए हैं कि रात में भी तापमान कम नहीं हो रहा है। ऊर्जा का उपयोग, रहन-सहन कैसा हैं, क्या खाते हैं और कितना फेंक देते हैं, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और प्लास्टिक जैसी चीज़ों का उपभोग ये सभी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में योगदान करते हैं। दुनिया की सबसे अमीर 1 प्रतिशत आबादी मिलकर सबसे गरीब 50 प्रतिशत की तुलना में अधिक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करती है।

लोगों की सोच इतनी खराब हो गई है कि गर्मी बढ़ने पर एयरकंडीशनर और कूलर ही याद आते हैं, लेकिन गर्मी से बचाव के लिए पेड़-पौधे लगाने के प्रति कर्तव्य की भावना नहीं। इस गर्मी में मनुष्य इतना बेहाल है, तो पशुओं का क्या हाल होगा? परंतु पशु-पक्षी और वन्यजीवों के बारे में सोचने के लिए किसी के पास समय ही नहीं। यह सभी मानव निर्मित समस्याएं हैं और समाधान भी मानव के ही पास है, जिन्दगी जीने के तरीके में बदलाव और सामाजिक जिम्मेदारी का एहसास ही आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर जीवन विकास का मार्ग प्रशस्त कर पर्यावरण संरक्षण को गति प्रदान कर सकते है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मृदुभाषी और कुशल प्रशासक की छवि वाले नेता हैं राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भौतिकी के प्रोफेसर से देश के रक्षा मंत्री तक का लंबा सफर तय करने वाले राजनाथ सिंह भारतीय जनता पार्टी के ऐसे मजबूत स्तंभ हैं जिनकी पहचान कुशल प्रशासक और राजनीतिक शुचिता का सम्मान करने वाले परिपक्व नेता के रूप में होती है। मधुरभाषी और नपा तुला बोलने वाले सिंह प्रतिद्वंद्वियों पर कमोबेश निजी हमले करने से परहेज करते हैं। पार्टी में उनके कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लाल कृष्ण आडवाणी के बाद वह ऐसे नेता हैं जिन्होंने दो अलग अलग कार्यकाल के लिए पार्टी की कमान संभाली है।

राजनाथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीतिक विरासत को इस लिहाज से आगे बढ़ा रहे है कि उन्होंने वाजपेयी के संसदीय क्षेत्र लखनऊ से लगातार तीन बार विजय प्राप्त की और 2024 के आम चुनाव में वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से एक लाख 31 हजार मतों के अंतर से आगे चल रहे हैं।। राजनाथ वाजपेयी सरकार में कृषि मंत्री का प्रभार संभाल चुके थे।

आडवाणी तीन बार (1986 से 1990 , 1993 से 1998 और 2004 से 2005) पार्टी अध्यक्ष रहे जबकि सिंह 2005 से 2009 तक अध्यक्ष रहने के बाद 2013 – 14 में भी भाजपा अध्यक्ष रहे । उन्हीं के अध्यक्ष रहते पहली बार प्रधानमंत्री पद के लिये नरेंद्र मोदी के नाम पर मुहर लगी थी । संघ के साथ उनके बेहतर रिश्ते का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि आडवाणी के जिन्ना प्रकरण के बाद संघ ने सिंह को ही पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी। इसके बाद उन्होंने दूसरी बार पार्टी की कमान तब संभाली थी जब 'पूर्ती मामले' में नितिन गडकरी का नाम सामने आया था। साधारण किसान परिवार में जन्मे सिंह ने मामूली कार्यकर्ता से लेकर पार्टी के अध्यक्ष और देश के गृह मंत्री जैसे अहम पद का जिम्मा संभाला है। बनारस के पास चंदौली जिले में जन्मे सिंह

एक कुशल प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं। वह सियासत में कदम रखने से पहले मिर्जापुर के कॉलेज में व्याख्याता हुआ करते थे।

भाजपा में सफलता की सीढ़ी संघ है और सिंह का राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से गहरा नाता है। 1964 में 13 वर्ष की अवस्था में ही वह संघ से जुड़ गए। व्याख्याता बनने के बाद भी संघ से उनका जुड़ाव बना रहा। 10 जुलाई 1951 को जन्मे सिंह ने गोरखपुर विश्वविद्यालय से भौतिकी विषय में परास्नातक की डिग्री हासिल की। उन्हें 1974 में भारतीय जनसंघ का मिर्जापुर का सचिव बनाया गया। देश में 1975 में आपातकाल लगा तो वह जेल भी गए। 1977 में जब देश में चुनाव हुए तो वह उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद उन्हें तीन बार इसी सीट से जीत मिली। राजनाथ ने हाल में एक टीवी साक्षात्कार में आपातकाल के दौरान जेल में रहने के दौरान उनकी मां के निधन का उल्लेख किया था। वह यह बताते समय भावुक हो गये थे कि तत्कालीन जेल प्रशासन ने उन्हें उनकी मां के अंतिम संस्कार में भाग लेने की अनुमति नहीं दी थी।

सिंह को 1986 में भारतीय जनता युवा मोर्चा का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया। बाद में वह 1988 में इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। इसी साल सिंह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य निर्वाचित हुए। साल 1991 में जब उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो राजनाथ को शिक्षा मंत्री बनाया गया। 1994 में वह राज्यसभा गए और 1997 में उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए। उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री रहते उन्होंने नकल रोधी कानून लागू करवाया था। इसमें नकलची विद्यार्थियों को परीक्षा हॉल से गिरफ्तार किया जाता था और जमानत अदालत से मिलती थी। साथ ही वैदिक गणित को पाठ्यक्रम में भी शामिल करवाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। सिंह 20 अक्टूबर 2000 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि उनका कार्यकाल दो साल से भी कम समय का रहा। इसके बाद केंद्र की अटल बिहारी वाजपेयी नीत राजग सरकार में सिंह को भूतल परिवहन और कृषि मंत्री बनाया गया था।

उनको पहली बार पार्टी की कमान 2005 से 2009 तक मिली तो दूसरी बार वह इस पद पर 2013 से 2014 तक रहे। सिंह 2009 में गाजियाबाद और 2014 तथा 2019 में लखनऊ से सांसद निर्वाचित हुए। 2014 में जब भाजपा की सरकार बनी तो उन्हें देश का गृहमंत्री बनाया गया। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में उन्होंने रक्षा मंत्रालय का दायित्व संभाला था। रक्षा मंत्री के तौर पर वह राफेल विमान की पहली खेप लेने के लिए 2020 में जब फ्रांस गये थे और उन्होंने जब इस विमान की पूजा की थी तो वह काफी चर्चा में रहे थे।

जश्न

कोलकाता में लोकसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के चुनाव परिणाम के रुझान के बाद मंगलवार को कोलकाता में टीएमसी समर्थकों ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के घर के पास जश्न मनाया।

कल्कि 2898 एडी में दर्शक पहली बार मुझे मजेदार किरदार में देखेंगें : प्रभास

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास का कहना है कि उनकी आने वाली फिल्म कल्कि 2898 एडी में दर्शक पहली बार उन्हें मजेदार किरदार में देखेंगे। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में प्रभास , दीपिका पादुकोण ,अमिताभ बच्चन , कमल हासन और दिशा पटानी की अहम भूमिका है ।

'भैरव' के रूप में अपनी भूमिका के बारे में जानकारी साझा करते हुए, प्रभास ने इसके लिए तैयारी करने और इस मनोरंजक और मज़ेदार किरदार को निभाने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैंने और हमारे निर्देशक नाग अश्विन ने कुछ वर्कशॉप किए और सेट पर जाने से पहले हम किरदार के बारे में बहुत बात करते थे। जब भी हमारे मन में कोई विचार या संदेह होता, तो हम उस पर पूरी तरह से चर्चा करते। इस किरदार में कई शेड्स हैं और यह मेरी पिछली फिल्मों से बहुत अलग है।

प्रभास ने कहा,पहली बार, दर्शक मुझे एक पूर्ण मनोरंजक किरदार में देखेंगे। भैरव और 'बुज्जी' वाकई मज़ेदार हैं, खासकर यह किरदार– जिस तरह से वह पैदा हुआ और उसकी स्थिति। मुझे लगता है कि इस तरह का किरदार, मैंने पहले कभी इतने शेड्स वाला कुछ नहीं किया है। तेलुगु के अलावा, यह पहला मज़ेदार किरदार है जिसमें दर्शक मुझे देखेंगे। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' हिंदी के साथ–साथ तमिल, तेलुगु, मलयाली, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषा में 27 जून को रिलीज होगी।

मंडी लोकसभा सीट जीतने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है : कंगना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडी। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से जीत दर्ज करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंगलवार को कहा कि इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। कंगना ने मंडी लोकसभा सीट पर कांग्रेस के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह को 74,755 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल कर ली है।

कंगना ने विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर, विधायकों, भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता को उन्हें चुनने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। कंगना ने कहा कि लोगों ने पारिवारिक

विरासत के खिलाफ और आम जनता के पक्ष में वोट दिया है। उन्होंने कहा कि वह मंडी के लोगों के लिए सच्चे दिल से काम करेंगी।

इस बीच, जयराम ठाकुर ने कहा कि मंडी के मतदाताओं ने कंगना के खिलाफ टिप्पणी करने वालों को जवाब दे दिया है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से ही मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि मंडी लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को भारी अंतर से जीत मिली है।

चीन यात्रा पर रवाना हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मंगलवार को चीन की पांच दिवसीय सरकारी यात्रा पर रवाना हुए, जिसका मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाना और अरबों डॉलर के चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तहत सहयोग बढ़ाना है। शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन की यात्रा पर रहेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने पिछले सप्ताह बीजिंग में कहा था कि अपनी यात्रा के दौरान शरीफ चीनी राष्ट्रपति शी के साथ वार्ता करेंगे और चीन–पाकिस्तान संबंधों के विकास के लिए संयुक्त रूप से एक खाका तैयार करेंगे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया : परिवार से सीखा राजनीति का ककहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। ग्वालियर राजघराने से नाता रखने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया की राजनीतिक क्षेत्र में छवि नपा–तुला बोलने वाले नेता, कुशल प्रशासक और मिलनसार

जन प्रतिनिधि की रही है तथा पिछले काफी समय से ग्वालियर–चंबल संभाग की चुनावी राजनीति में उनका अच्छा दबदबा माना जाता है। सिंधिया ने 2024 आम चुनाव के मंगलवार को घोषित परिणामों में गुना संसदीय सीट कांग्रेस के यादवेंद्र राव देसराज सिंह को पांच लाख से अधिक मतों के भारी अंतर के साथ से जीती है।

राजमाता विजयाराजे सिंधिया, माधवराव सिंधिया और वसुंधरा राजे सिंधिया के वंश से आने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया को राजनीति का ककहरा सीखने के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने अपने दिवंगत पिता माधव राव सिंधिया के निधन के बाद 2002 में गुना लोकसभा सीट जीतकर चुनावी राजनीति में दस्तक दी थी। उनके पिता की विमान दुर्घटना में मृत्यु के बाद यह उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी थी। उस वक्त ज्योतिरादित्य 31 साल के थे। सिंधिया 2007 में कांग्रेस नीत संप्रग–1 सरकार में संचार राज्य मंत्री बने। साल 2009 में वह वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री बने और 2012 में उन्हें संप्रग–2 में ऊर्जा राज्यमंत्री नियुक्त किया गया। 2014 के आम चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी ने उन्हें लोकसभा में पार्टी का मुख्य सचेतक नियुक्त किया था।

सिंधिया कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के करीबी मित्रों में शामिल माने जाते थे। सिंधिया के लिए लोकसभा चुनाव 2019 काफी उलट–फेर वाला साबित हुआ क्योंकि वह गुना सीट पर अपने ही पूर्व सहयोगी डॉ के पी यादव (भाजपा) से हार गये।

ओटीटी पर प्रदर्शित होगी सिद्धार्थ आनन्द और सैफ की फिल्म 'ज्वेल थीफ'

मुंबई/एजेन्सी

सैफ अली खान, जयदीप अहलावत, निकिता दत्ता और कुणाल कपूर अभिनीत फिल्म 'ज्वेल थीफ: द रेड सन' की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद मंगलवार को कुणाल कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें सैफ अली खान और निकिता भी नजर आ रहे हैं। साथ ही प्रोड्यूसर ममता आहूजा भी कास्ट के साथ तस्वीरों में दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों के साथ कुणाल ने लिखा है, 'मैं यहां सबसे सीनियर एक्टर हूं, इसलिए मुझे लगता है कि यह एलान भी मुझे करना चाहिए कि शूटिंग पूरी हो गई है। लेकिन, मैं डायरेक्टर हूं और 'लेडीज फर्स्ट' का क्या हुआ! ठीक है चलो सब लोग समझौता कर लें और एक ग्रुप फोटो लें! या इससे भी बेहतर, चलो पूरी यूनिट को एक साथ बुलाएं और कहें कि शूटिंग खत्म हो गई'!

'ज्वेल थीफ: द रेड सन' का निर्माण सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद अपने बैनर मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के तहत कर रहे हैं। सिद्धार्थ 'पठान' और 'फाइटर' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। सैफ अली खान और सिद्धार्थ आनंद लंबे समय बाद एक साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वे 'सलाम नमस्ते' और 'ता रा रम पम' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म 'ज्वेल थीफ' का निर्देशन रॉबी ग्रेवाल कर रहे हैं। फिल्म की कहानी कथित तौर पर सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के पात्रों के बीच एक मनोरंजक लड़ाई के आसपास केंद्रित होगी। रॉबी के साथ सैफ की यह पहली फिल्म है। जानकारी के मुताबिक 'ज्वेल थीफ– द रेड सन चैप्टर' सीधा ओटीटी पर रिलीज की जाएगी।

जश्न

हाजीपुर लोकसभा सीट जीतने के बाद लोजपा (रामविलास) पार्टी प्रमुख चिराग पासवान ने मंगलवार को पटना में अपनी मां के साथ जश्न मनाया।

पहले मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन पर बॉयोपिक बनाएंगे सिद्धार्थ रॉय कपूर

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्म निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर के प्रोडक्शन हाउस 'रॉय कपूर फिल्म्स' (आरकेएफ) ने देश के पहले आम चुनावों के सूत्रधार चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन के जीवन पर बायोपिक बनाने के अधिकार हासिल कर लिए हैं। रॉय कपूर फिल्म्स ने ट्रिकीटेनमेंट मीडिया के साथ मिलकर बायोपिक निर्माण के अधिकार हासिल किये। सिद्धार्थ ने कहा, हम अपने नेशनल हीरोज में से एक सुकुमार सेन के जीवन पर बायोपिक बनाने को लेकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अशिक्षा से निपटने के लिए अलग–अलग चुनाव चिह्न और रंगों द्वारा राजनीतिक दलों की पहचान करने के सिस्टम से लेकर गड़बड़ियों से बचने के लिए उंगली पर अमिट स्याही लगाने की सोच तक... उनके कई इनोवेशन आज भी लागू हैं!'' उन्होंने

कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करने में सुकुमार सेन का अहम योगदान है, उनकी सराहना की जानी चाहिए।

सुकुमार सेन के पोते संजीव ने कहा, एक राष्ट्र के रूप में भारत की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक इसका सफल लोकतंत्र रहा है। सभी लोकतंत्रों की नींव स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव है और इस चुनावी प्रक्रिया की नींव रखने का श्रेय सुकुमार सेन को जाता है, जो मेरे दादा और स्वतंत्र भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त थे।'' बायोपिक को लेकर उनके दूसरे पोते देबदत्त सेन ने कहा, यह हमारे देश के लोगों को एक उल्लेखनीय व्यक्ति और उनकी उपलब्धियों से अवगत कराने का एक सराहनीय प्रयास है।'' ट्रिकीटेनमेंट मीडिया के रोमंचक अरोड़ा ने कहा, 73 साल बाद बताई जाने वाली इस कहानी को देश की सभी पीढ़ियों को जरूर देखना चाहिए।

बॉलीवुड से मिली कंगना रनौत को पहली बधाई, अनुपम ने कहा तुम रॉक स्टार हो

मुंबई/एजेन्सी

कंगना रनौत ने लोकसभा चुनाव 2024 को जीतकर राजनीति में धमाकेदार एंट्री कर ली है। लोकसभा चुनाव 2024 में कंगना रनौत हिमाचल प्रदेश के मंडी से बीजेपी की उम्मीदवार थीं। उन्होंने अब मंडी की लोकसभा सीट से चुनाव जीत लिया है। कंगना ने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और मौजूदा सांसद के बेटे विक्रमादित्य सिंह को मात देकर जीत अपने नाम की है। ऐसे में उन्हें बॉलीवुड के सितारों से बधाई मिल रही है।

एक्टर अनुपम खेर ने कंगना रनौत को जीत की बधाई दी है। उन्होंने द पर कंगना का मोंटाज वीडियो शेयर कर लिखा, 'प्यारी कंगना, तुम्हारी बड़ी विजय पर बधाई हो. तुम रॉकस्टार हो. तुम्हारा सफर बहुत–बहुत प्रेरणादायक रहा है। तुम्हारे लिए, मंडी और हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए मैं बहुत खुश हूं। तुमने हर बार साबित किया है कि अगर आप फोकस रहकर मेहनत करते हैं तो कुछ भी हो सकता है. जय हो।'

लोकसभा चुनाव 2024 में शानदार जीत हासिल करने पर कंगना रनौत बेहद खुश हैं। उनके लिए ये जीत काफी बड़ी चीज है। एक छोटे से शहर से निकलकर कंगना ने जो कामयाबी हासिल की है, वो वाकई में काबिल–ए–तारीफ है. कंगना, देश की हर लड़की के लिए मिसाल बन चुकी हैं। उन्होंने

खुद एक पोस्ट शेयर कर जनता को ध्यानवाद कहा है। कंगना ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'समस्त मंडीवासियों का इस जनाधार, इस प्यार और विश्वास के लिए दिल से आभार। ये जीत आप सभी की है, ये जीत है प्रधानमंत्री मोदी जी और भाजपा पर विश्वास की, ये जीत है सनातन की, ये जीत है मंडी के सम्मान की।'

जीत के बाद कंगना रनौत के फैंस के बीच भी धूम मच गई है। उन्हें फैंस से भी ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। कंगना रनौत, हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। उन्होंने मॉडलिंग के बाद साल 2006 में गैंगस्टर फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था।

अपने 18 साल के फिल्मी करियर में कंगना ने 'फैशन', 'क्वीन', 'कृष 3', 'तुन वेड्स मनु' सनी अन्य फिल्मों में काम किया। कंगना 4 बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी जीत चुकी हैं। सिनेमा में अपने शानदार योगदान के लिए कंगना को पद्मश्री अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें 5 फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिल चुके हैं। अब उनकी फिल्म 'इमरजेंसी' का इंतजार किया जा रहा है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा छठवां आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर केन्द्र का अत्याधुनिक मशीनों से सुशोभित लैबोरेट्री का जैन संस्कार विधि से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्री मलययशाजी व आस्थाप्रभाजी के मंगल पाठ से हुआ।

कन्याकुमारी यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के वासुपूज्य स्वामी ईटा जैन सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा दो दिवसीय कन्याकुमारी यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें सेवा मंडल के अध्यक्ष सुरेश फोलामुथा के नेतृत्व में उपाध्यक्ष जगदीश तिलावत, मंत्री राजू भंसाली, कोषाध्यक्ष सुशील बागमार, सहमंत्री सुरेश बाफना आदि ने यात्रा की व्यवस्था संभाली।

बोर्ड गेम्स बैटल के माध्यम से जीतो यूथ ने बढ़ाया आपसी नेटवर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर के यूथ विंग द्वारा रविवार को अशोकनगर में बोर्ड बडीज की मेजबानी में इंडीक्यूब पर बोर्ड गेम्स बैटल का आयोजन किया। आपसी मेलमिलाप व नेटवर्किंग के उद्देश्य से आयोजित इस आयोजन में तीन राउंड में 6 समूह बनाकर सदस्यों के लिए शतरंज, सांप सीढ़ी आदि खेलों का आयोजन किया। विजेता टीमों व 10 व्यक्तिगत विजेताओं को भी को उपहार दिए गए। यूथ अध्यक्ष मनीष कोठारी ने सभी का स्वागत किया। टीम बोर्ड बडीज़ ने कार्यभार संभाला। परियोजना संयोजक दीपेश कटारिया, रुशाली जैन, ईसी समन्वयक निकिता बडेरा आदि ने व्यवस्था संभाली।

विजयनगर में छठा आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर शुरु हुआ

देश में सबसे ज्यादा डायग्नोस्टिक सेन्टर का संचालन कर रहा है तेयुप विजयनगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा छठवां आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर केन्द्र का अत्याधुनिक मशीनों से सुशोभित लैबोरेट्री का जैन संस्कार विधि से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत साध्वीश्री मलययशाजी व आस्थाप्रभाजी के मंगल पाठ से हुआ। संस्कारक राकेश दुधोड़िया, विकास बाँठिया, अभिषेक जैन, धीरज भादानी ने जैन विधि करवाई।

अभातेयुप के अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, अभातेयुप प्रबंध मंडल, उद्घाटन कर्ता शायर-हीरालाल मालू, एटीडीसी के राष्ट्रीय प्रभारी सौरभ मुणोत, अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, तेरापंथी महासभा सदस्य प्रकाश लोढ़ा, तेरापंथी सभा विजयनगर अध्यक्ष मंगल कोचर, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया व अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

परिषद अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने स्वागत करते हुए कहा कि तेयुप विजयनगर द्वारा यह छठी डायग्नोस्टिक सेंटर शुरु कर देश में सबसे ज़्यादा एटीडीसी संचालन करने वाली परिषद बन गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने कहा कि रियायती दरों पर परीक्षण करने से जरूरतमंदों को जो सहायता होती है वही सच्ची मानव सेवा है। अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि परिषद द्वारा छह एटीडीसी का संचालन विजयनगर परिषद की विशिष्टता को दर्शाता है। अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने उपस्थित सभी तेयुप के साथियों को आव्हान करते हुए कहा कि विजयनगर में एक हॉस्पिटल के निर्माण की ओर अग्रसर होना चाहिए। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने तेयुप विजयनगर के हर एक सदस्य को हर कार्य में जुटे रहने की प्रेरणा दी। सौरभ मुणोत, स्थानीय पूर्व अध्यक्ष श्रेयांस गोलछा, पूर्व अध्यक्ष दिनेश मरोठी, महावीर टेबा, अमित दक ने विजयनगर परिषद को शुभकामनाएँ दी।

सभी दानदाताओं, अतिथियों एवं एटीडीसी स्टाफ का परिषद परिवार द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल संयोजन में उपाध्यक्ष विकास बाँठिया, प्रवीण गन्ना, सहमंत्री संजय भटेवरा, रौनक़ चौरडिया,संगठन मंत्री पवन बैद, कोषाध्यक्ष अशोक मारू, एटीडीसी प्रभारी महावीर टेबा, सहप्रभारी अमित दक, एटीडीसी के संयोजक मनोज बैद आदि का सहयोग रहा। संचालन मंत्री कमलेश चोपड़ा ने किया।

लगातार पांचवीं बार ऐतिहासिक जीत दर्ज की प्रह्लाद जोशी ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यह एक व्यावसायिक शहर है.. यह एक सांस्कृतिक शहर है.. यह एक ग्राम स्वराज है.. जहां देखो वहां जोशी का जोश है। एक समय भीमसेन जोशी के सुर ने संगीत की दुनिया बदल दी थी, लेकिन आज राजनीति के रणक्षेत्र में प्रल्हाद जोशी की जीत का डंका बज रहा है।

हां, अब अचानक धारवाड़ एक संगीत क्षेत्र और दूसरे राजनीतिक अड्डे के रूप में दिमाग में आता है। संगीत की दुनिया में पंडित भीमसेन जोशी का नाम है इसी तरह अब राजनीतिक रूप से सक्रिय जोशी का नाम शामिल है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने धारवाड़ लोकसभा क्षेत्र में ऐसा माहौल बना दिया है. उन्होंने रिकॉर्ड लगातार पांचवीं बार झंडा फहराया है। लगातार जीत हासिल करने वाली धारवाड़ सीट की चुनावी रणनीति ने बता दिया है कि विपक्षी दलों की लड़ाई के बावजूद यह एक बार फिर बीजेपी का गढ़ है।

इस बार प्रल्हाद जोशी ने प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के युवा नेता विनोद असूटी के खिलाफ लगभग 95,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। प्रह्लाद जोशी की जीत की घोषणा होते ही बीजेपी समर्थक धारवाड़ के कृषि विश्वविद्यालय के पास जश्न मना रहे थे। जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध मतदाताओं ने मुझे धारवाड़ से फिर से चुना है और मुझे आशीर्वाद दिया है। जोशी ने कहा कि मैं इस निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदाताओं का सदैव आभारी हूं जीत पर हमारे कार्यकर्ताओं और पार्टी नेताओं को गर्व है और मैं सभी को बधाई देता हूं।

मोदी आजादी के बाद प्रधानमंत्री के रूप में नया रिकॉर्ड बना रहे हैं : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व के कारण चुनौतियों के बावजूद भाजपा नीत राजग देश में 295 से अधिक सीट जीत रहा है।

लोकसभा चुनाव के लिए मतगणना जारी है, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन उसे अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है। यादव ने यह भी कहा कि भाजपा मध्य प्रदेश में सभी 29 सीट जीतेगी। इसमें छिंदवाड़ा भी शामिल है, जो आजादी के बाद से कांग्रेस का गढ़ रहा है। यादव ने कहा कि मोदी की यह जीत जवाहरलाल नेहरू के युग की याद दिलाती है और उनके बाद यह पहली बार है जब कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार जीत रहा है। यादव ने कहा, यह आजादी के बाद का एक महत्वपूर्ण क्षण है, जहां हम एक नया रिकॉर्ड बनते हुए देख रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग ने 295 से अधिक सीट जीती हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश ने देखा कि कोई प्रधानमंत्री चुनाव लड़ रहा है और लगातार तीसरी बार सत्ता में आकर एक नई मिसाल कायम कर रहा है। यादव ने कहा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जवाहरलाल नेहरू का कार्यकाल इस श्रेणी में नहीं आता है, क्योंकि उन्होंने स्वतंत्रता के तुरंत बाद प्रधानमंत्री की भूमिका संभाली थी।

चुनावी बिसात पर शह को मात में बदल देने की कला के माहिर रहे हैं अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली।सड़कों पर अपनी पार्टी के पोस्टर और पर्चे चिपका कर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले अमित शाह को भारतीय

जनता पार्टी की चुनावी रणनीति तैयार करने वाला 'चाणक्य' कहा जाता है क्योंकि वह बूथ से लेकर चुनाव मैदान तक प्रबंधन और प्रचार की ऐसी सधी हुई बिसात बिछाते हैं कि मंझे से मंझे राजनीतिक खिलाड़ी भी अक्सर मात खा जाते हैं। शतरंज खेलने से लेकर क्रिकेट देखने एवं संगीत में में गहरी रुचि रखने वाले अमित शाह को राजनीति का माहिर रणनीतिकार माना जाता है । इस वर्ष अक्तूबर में अपने जीवन के छह दशक पूरे करने जा रहे शाह को राज्य दर राज्य भाजपा की सफलता गाथा लिखने का सूत्रधार माना जाता है।

मंगलवार को घोषित आम चुनाव के परिणामों में शाह ने गांधीनगर संसदीय सीट को अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को सात लाख 44 हजार से अधिक मतों के अंतर से पराजित किया। वर्तमान लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिण भारत में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी सफल रणनीति को श्रेय दिया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि शाह ने विचारधारा की दृढ़ता, असीमित राजनीतिक कल्पनाशीलता और वास्तविक राजनीतिक लचीलेपन का शानदार मिश्रण करके चुनावी समर में भाजपा की शानदार जीत का मार्ग प्रशस्त किया । उन्होंने बिहार और महाराष्ट्र में न केवल राजग के घटक दलों के साथ गठबंधन को लेकर लचीला रुख अपनाया बल्कि स्थानीय स्तर पर प्रतिद्वन्द्वी दलों के वोट बैंक को अपनी पार्टी के पाले में लाने की रणनीति को अंजाम दिया ।

चुनाव प्रबंधन के खिलाड़ी शाह ने पहली बार 1991 के लोकसभा चुनाव में गांधीनगर में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का चुनाव प्रबंधन संभाला था। लेकिन, उनके बूथ प्रबंधन का करिश्मा 1995 के उपचुनाव में तब नजर आया, जब साबरमती विधानसभा सीट पर तत्कालीन उप मुख्यमंत्री नरहरि अमीन के खिलाफ चुनाव लड़ रहे अधिवक्ता यतिन ओझा का चुनाव प्रबंधन उन्हें सौंपा गया। खुद यतिन कहते हैं कि शाह को राजनीति के सिवा और कुछ नहीं दिखता। उनके करीबी बताते हैं कि पारिवारिक और सामाजिक मेल-मिलाप में वह बहुत कम वक्त जाया करते हैं।

रोचक जानकारी व प्रशिक्षण के साथ जीतो साउथ लेडीज विंग ने नई सदस्याओं का किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ की लेडीज विंग द्वारा 'ऐज यू एंगेज' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लेडीज विंग की उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने प्रशिक्षक की भूमिका निभाते हुए अपनी प्रस्तुति दी।

लेडीज विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट सेंटर फॉर एक्सिलेंस के तहत संस्था में जुड़े इस वर्ष नये सदस्याओं हेतु उनके स्वागत एवं जीतो संस्था के उद्देश्य, पॉलिसी, कार्य प्रणाली, संविधान की जानकारी का कार्यक्रम राचनहल्ली स्थित रंगोली गार्डन्स में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षक बाफना ने सदस्याओं को जीतो के विभिन्न आयामों एवं अन्य सदस्यता हेतु मिलने वाले लाभ के बारे में बताते हुए कहा कि इस मंच से सभी जैन महिलाएं एक दूसरे को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट हो सकें। उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक मंच विकसित करने के लिए वे प्रतिबद्ध हो। महिलाओं को सशक्त एवं जागृति की ओर अग्रसर करना है। लक्ष्मी बाफना ने अपेक्स द्वारा दिए गए 14 विषयों पर विस्तार से चर्चा की जिसमें बी-टू-बी, स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल लिटरेसी, मेंबेरशीप ड्राइव, मेट्रिमोनी, माइनॉरिटी, आर्थिक सुदृढ़ता के साथ महिला सशक्तिकरण पर विशेष ज़ोर दिया।

मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक का परिचय संयोजिका मीना बडेरा ने दिया। चेयरपर्सन बिन्दु रायसोनी ने स्वागत करते हुए आगामी आयोजनों की घोषणा की। सह-संयोजिका संगीता नागोरी ने विषय प्रस्तुति दी। प्रायोजक शाह ग्रुप के राजेश-नंदा, प्रवीण-कविता, रमिल-पायल एवं मुख्य प्रशिक्षिका का सम्मान किया। पायल शाह ने रंगोली गार्डन की खूबियों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि कामयाबी एक दिन में नहीं मिलती काफ़ी कुछ मेहनत लगन से आगे बढ़ते है। इस मौके पर कार्यसमिति सदस्याओं ने सहयोग दिया। इस मौके पर नई सदस्याओं ने उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया। सदस्याओं ने रंगोली गार्डन में गाँव की संस्कृति, पुरातन परंपरा का अवलोकन, मेजिक शो, घोड़ागाड़ी सवारी, ऑडिटोरियम का आनंद लिया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

बोम्मई हावेरी लोकसभा सीट से विजयी हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के हावेरी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवाराज बोम्मई ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस उम्मीदवार आनंदस्वामी गड्डादेवर्मत को 43513 मतों के अंतर से हराकर विजय पताका फहराया। बोम्मई के पक्ष में 705538 मत पड़े, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस उम्मीदवार गड्डादेवर्मत के खाते में 662025 वोट पड़े। बोम्मई ने गड्डादेवर्मत को 43513 मतों के अंतर से हराया है। जबकि तीसरे स्थान पर निर्दलीय उम्मीदवार एस के श्रीहट्टी के पक्ष में महज 4707 मत पड़े।

बोम्मई सादर लिंगायत समुदाय से तालुक्क रखते हैं। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। वह दो बार एमएलसी और तीन बार विधायक रहे हैं। बोम्मई 1998 और 2004 में धारवाड़ स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से कर्नाटक विधानपरिषद के सदस्य के रूप में चुने गए। बोम्मई कर्नाटक विधानसभा में 28 जुलाई 2021 से 20 मई 2023 तक मुख्यमत्री रहे थे। वह 2008 में भाजपा में शामिल हुए थे और उनके भाजपा में शामिल होने के बाद लगातार पार्टी का ग्राफ चढ़ता गया। वह पहले राज्य सरकार में जल संसाधन मंत्री थे। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत जनता दल के साथ की थी। वह 2008 से कर्नाटक के हावेरी जिले में शिग्गाँव विधानसभा क्षेत्र से विधायक है। इससे पूर्व वे कर्नाटक में येडीयुरप्पा सरकार में गृह मंत्री और विधि, संसदीय कार्य और विधान मंत्री रहे थे।

कृत्रिम मेधा और प्रौद्योगिकी पर मोदी सरकार की प्रमुख आवाज रहे हैं राजीव चंद्रशेखर

नयी दिल्ली। प्रौद्योगिकी उद्यमी से राजनीतिक नेता बने राजीव चंद्रशेखर स्वतंत्र एवं मुक्त इंटरनेट और नेट तटस्थता के समर्थक तथा कृत्रिम मेधा (एआई) सहित अन्य मुद्दों पर केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की प्रमुख आवाज रहे हैं। कौशल विकास और उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य

मंत्री चंद्रशेखर राज्यसभा के तीन बार सदस्य रह चुके हैं और उच्च सदन में उनका मौजूदा कार्यकाल दो अप्रैल को समाप्त हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे चंद्रशेखर को पार्टी ने केरल की तिरूवनंतपुरम लोकसभा सीट पर कांग्रेस के शशि थरूर के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा और दोनों प्रतिद्वंद्वी नायर समुदाय से आते हैं। यह समुदाय, केरल का दूसरा सबसे बड़ा हिंदू समुदाय है, जिसकी राज्य की आबादी में लगभग 14 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मंगलवार को घोषित तिरूवनंतपुरम लोकसभा सीट के परिणाम के अनुसार चंद्रशेखर कांग्रेस उम्मीदवार शशि थरूर से 16 हजार मतों के अंतर से हार गये। मूल रूप से केरल के त्रिशूर जिले के रहने वाले केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री चन्द्रशेखर अप्रैल 2006 से अप्रैल 2018 तक कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य रहे और उन्हें 2018 में भाजपा सदस्य के रूप में फिर से उच्च सदन के लिए चुना गया।

भाजपा के निष्कासित नेता ईश्वरप्पा की जमानत जब्त

शिव्वमोग्गा/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निष्कासित नेता के. एस. ईश्वरप्पा की

मंगलवार को शिवमोगा लोकसभा सीट पर जमानत जब्त हो गई। इस सीट पर भाजपा के वरिष्ठ नेता बी एस येडीयुरप्पा के बेटे राघवेंद्र येडीयुरप्पा ने दो लाख से अधिक मतों के अंतर से कांग्रेस उम्मीदवार गीता शिवराजकुमार को हरा कर अपना कब्जा बरकरार रखा। पूर्व उपमुख्यमंत्री ईश्वरप्पा को 30,005 वोट ही मिले, जबकि राघवेंद्र को 7,78,721 वोट मिले। ईश्वरप्पा (75), भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कर्नाटक के फिल्म अभिनेता शिवराजकुमार की पत्नी गीता को 5,35,006 वोट मिले। शिव्वमोग्गा जिले के रहने वाले ईश्वरप्पा निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरे थे और उन्होंने अपने बेटे की अनदेखी करने के लिए राघवेंद्र के भाई एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र के अलावा येदियुरप्पा को भी जिम्मेदार ठहराया था। ईश्वरप्पा को भाजपा ने 22 अप्रैल को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था क्योंकि उन्होंने चुनावी मुकाबले से हटने से इनकार कर दिया था।

नवनिर्वाचित तेरापंथ सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापन्थ भवन में तेरापंथ सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पारसमल भंसाली का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पारसमल भंसाली का सम्मान किया। इस मौके पर पारसमल भंसाली ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सम्पूर्ण समाज को विश्वास दिलाया कि गुरु इंगित की आराधना करते हुए जो भी कार्य संघ और समाज के लिए आवश्यक व करणीय है उसे पूर्ण समर्पण के साथ करुंगा। कार्यक्रम में प्रकाश बाबेल,

कमलसिंह दुगड़, गौतम मुथा, प्रकाश लोढ़ा, प्रदीप हीरावत, संजय गोठी, ललित आच्छा, प्रकाश लोढ़ा, गोतम डोसी, प्रकाश कुंडलियां, बिमल भंसाली, जितेंद्र कोचर, दिनेश पोखरना, ललित मांडोत, गोतम मांडोत, अनिल पोखरना, रमेश दक, ललित चोरड़िया, रोहित कोठारी आदि ने भाव व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी। मंच का संचालन नवनीत मुथा ने किया। विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,

(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.

HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com